जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 137 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 21 मार्च, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गुजरात में शेरों के संरक्षण के प्रयास इतने ज्यादा सफल हुए हैं कि, शेरों की बढ़ी हुई आबादी को एडजस्ट करने के लिए एक नया अभयारण्य बनाना पड़ेगा। गुजरात का गीर नैशनल पार्क एशियाटिक लायन प्रजाति का एकमात्र घर है तथा अफ्रीका के बाद गीर ही एकमात्र जगह है जहां शेर देखे जा सकते हैं। इस संकटग्रस्त जीव की संख्या अब काफी बढ़ गई है। गीर में 400 शेर हैं तथा गुजरात के अन्य भागो में तीन सौ। गीर में शेरों की आबादी जरुरत से ज्यादा है। जगह की कमी की वजह से शेर गांवों व तटवर्ती क्षेत्रों का रुख करते हैं। संरक्षणविद् गुजरात सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि, शेरों को यहाँ से भारत में अन्य स्थानों पर भेजा जाए ताकि गीर में जो शेर बचे हैं उन्हें पर्याप्त जगह मिल सके। एक ही जगह पर एक ही प्रजाति के बहुत सारे सदस्य हों तो संक्रमण का खतरा बहुत बढ़ जाता है, लेकिन राज्य सरकार इस मांग का विरोध कर रही है। आलोचकों का कहना है कि, गुजरात सरकार शेरों पर एकाधिकार चाहती है और उनके हितों की अनदेखी कर रही है। गुजरात सरकार ने वर्ष 2013 के सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की भी अवहेलना की कि, कुछ शेरों को मध्य प्रदेश के अभयारण्यों में भेजा जाए। आदेश में कहा गया था कि, शेरों को संक्रमण से बचाने के लिए ऐसा करना जरुरी है। अब जाकर गुजरात सरकार ने कहा है कि, गीर से कुछ शेर दूसरे स्थान पर भेजे जाएंगे। हालांकि यह जगह, "बरडा वाइल्डलाइफ सैंचुरी" भी गुजरात में ही है। इस नए घर में 40 शेर भेजे जाएंगे और इसकी तैयारी चल रही है। वाइल्ड लाइफ कंज़र्वेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष अनीश अंधेरिया का कहना है कि गुजरात सरकार फिर गुमराह कर रही है, वह अन्य राज्यों को शेर देना ही नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि गीर व गुजरात के अन्य स्थानों के शेर पहले ही जगह की तलाश में बरडा पहुंच चुके हैं। अंधेरिया ने कहा कि, नए शेर अभयारण्य के रुप में बरडा के नाम की औपचारिक घोषणा से क्षेत्र को बेहतर फंड और बेहतर प्रबंधन मिल सकता है पर इससे गीर का दबाव कम नहीं होगा। उन्होंने कहा, भारत में शेरों की संख्या बढ़ना अच्छी खबर है पर बेहतर होगा अगर शेरों को देश के अन्य भागों में भी भेजा जाए, इसी से गीर व गुजरात के शेरों को पर्याप्त जगह मिल सकेगी।

'अभी तक 25 सितम्बर के प्रकरण की पूरी जांच क्यों नहीं हुई'

पायलट ने न्यूज 18 के चौपाल प्रोग्राम में यह सवाल कि, 25 सितम्बर को मु.मंत्री गहलोत ने हाई कमान के खिलाफ बगावत की थी तथा विधायक दल की बैठक नहीं होने दी थी, पर, इस पूरे प्रकरण में अभी तक अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यों नहीं हुई?

- उन्होंने कहा, इसी प्रकार विधानसभाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने बताया था कि, उन्होंने विधायकों के इस्तीफे इसलिये स्वीकार नहीं किये, क्योंकि वे दबाव में दिये गये थे। पर, आज तक यह जांच नहीं हो सकी कि, किसका दबाव था और दबाव लगाने वाले के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की गयी।
- दिग्विजय सिंह ने इस प्रकरण में टिप्पणी की थी कि, अगर पायलट को कोई शिकायत है या पीड़ा है, तो वे अनुशासन समिति के समक्ष जाते। पायलट ने इस बारे में चौपाल में कहा, ए.के. एंटनी की अध्यक्षता में गठित अनुशासन समिति ने इस प्रकरण में ''नोटिस'' भी जारी किये, तीन आरोपियों को, उनके जवाब भी आये, पर अभी तक आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई।
- पायलट ने यह सवाल भी उठाया कि, उनके व महासचिव अजय माकन के बार-बार कहने के बाद भी, छः महीने बीत जाने के बाद भी विधायक दल की बैठक क्यों नहीं आहूत की गयी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। कांग्रेस नेतृत्व को कठघरे में खड़ा करते हुए, राजस्थान के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने 25 सितम्बर की घटनाओं की जाँच की मांग की है, जब अशोक गहलोत ने कांग्रेस के नेतृत्व के विरूद्ध विद्रोह कर दिया था।

सचिन पायलट जानना चाहते थे कि, पार्टी ने इन्क्वायरी क्यों नहीं की, जब विधानसभा स्पीकर सी.पी. जोशी ने कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे यह कहकर खारिज कर दिए कि, इस्तीफे दबाव में आकर दिए गए थे।

सचिन ने पूछा है कि, यह क्या दबाव था, किसका दबाव था और पार्टी नेतृत्व ने यह जानने का प्रयास क्यों नहीं किया कि, उस दिन हुआ क्या था।

दिग्विजय सिंह के इस सुझाव पर प्रश्न पूछे जाने पर कि, यदि पायलट को कुछ शिकायतें हैं तो उन्हें अनुशासन समिति के समक्ष जाना चाहिए, पायलट ने ए.के. एन्टनी की अध्यक्षता वाली अनुशासन समिति को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, राजस्थान में उन तीन लोगों को नोटिस जारी किए गए थे, उनके जवाब भी आएं, लेकिन अभी तक संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

अशोक गहलोत द्वारा सचिन पायलट के लिए गद्दार जैसे शब्दों का प्रयोग करने के मुद्दे पर सचिन पायलट ने कहा, यह उनकी संस्कृति, संस्कार शिक्षा है। उन्होंने कहा, उनकी (पायलट की) परवरिश ऐसी नहीं हुई है कि, अपने से बड़ों को अपशब्द कहें, क्योंकि, एक बार मुँह से निकलने के बाद शब्द वापस नहीं लिए जा सकते।

पायलट ने कहा, यह निर्णय तो नेतृत्य को लेना है कि, पार्टी का नेता कौन होगा, और जहाँ, उन्होंने पार्टी को सत्ता में लाने के लिए पाँच साल काम किया, वरिष्ठ नेताओं सहित सभी नेताओं को साथ में लेकर, वहीं पार्टी नेतृत्व ने गहलोत को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'चीन के ''नैटिज़न'' भारत की तुलना में पाकिस्तान की ओर झुकाव को अव्यवहारिक मानते हैं'

इन ''नैटिज़न्स'' का मानना है कि, पाकिस्तान व भारत में ''गैप'' बहुत बड़ा हो गया है और बढ़ता ही जा रहा है

- इन लोगों का इस प्रश्न का भी अजीबोगरीब जवाब है कि, भारत क्यों पाश्चात्य देशों का प्रिय होता जा रहा है, जबकि चीन पाश्चात्य देशों के निशाने पर है।
- नैटिज़न्स का इस बारे में मानना है कि, भारत इतना विकसित नहीं है कि, भारत पाश्चात्य देशों को चुनौती देने की स्थिति में हो। अतः वे भारत को अपने लिये कोई खतरा नहीं मानते, जबकि विकसित व सक्षम होने के कारण ये देश चीन से आशंकित महसूस करते हैं।
- ये नैटिज़न्स, प्र.मंत्री मोदी से भी काफी प्रभावित हैं तथा वे मानते हैं, भारत के प्रधानमंत्री मोदी विश्व के देशों में बड़ी होशियारी से संतुलन बिठाकर रखते हैं, जो बहुत प्रशंसनीय है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। चीन-भारत के बीच चल रहे सीमा विवाद के बावजूद चीन की जनता की भारत के विरूद्ध कोई दुर्भावना नहीं है। वास्तव में वहां की जनता महसूस करती है कि भारत की सत्ता एक ऐसे नेता के हाथ में है जो विश्व की अन्य शख्सियतों से आश्चर्यजनक रूप से भिन्न है और दोनों देश मित्र बन सकते हैं।

चीन में सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले लोगों का कहना है कि मोदी के नेतृत्व वाला भारत विश्व के बड़े देशों के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है। चाहे वह रूस हो, अमेरिका हो या ग्लोबल साउथ कंट्रीज़, भारत इन सभी के साथ दोस्ताना संबंध रख सकता है।

चीन के मीडिया में मोदी की प्रशंसा की भरमार है। उसने उन्हें एक असाधारण उपनाम ''मोदी लाओक़िज़यान'' दिया है। लाओक़िज़यान का तात्पर्य एक बुजुर्ग अविनाशी व्यक्ति से है, जिसमें कुछ विलक्षण क्षमताएं हैं। यह उपनाम संकेत देता है कि चीन में सोशल मीडिया के आदी लोग ऐसा सोचते हैं कि मोदी अन्य नेताओं से अलग और यहां तक कि अधिक आश्चर्यजनक हैं। वे उनकी ड्रैस और शारीरिक उपस्थिति दोनों को एक लाओक़िज़यान की भांति देखते हैं और उनकी कुछ नीतियां भारत की पूर्व नीतियों से अलग है। अतः ''लाओक़िज़यान'' शब्द मोदी के प्रति चीन के लोगों की मिश्रित भावनाओं को परिलक्षित करता है, जिसमें जिज्ञासा, आश्चर्य और शायद नक चढेपन का समावेश है। चीन में सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले लोगों के विचारों का संकलन बीजिंग के पत्रकार क्यू चुन्शान ने किया है और इन्हें प्रकाशित किया है वॉशिंगटन की एक इन्टरनैशनल ऑनलाइन न्यूज़ मैगज़ीन ''द डिप्लोमैट'' ने।

क्यू चीन के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से चलने वाले एक रिसर्च प्रोजैक्ट का हिस्सा रह चुके हैं। इस प्रोजैक्ट के तहत चीन की छवि निर्मित करने में विदेशी मीडिया के प्रभाव की जांच की गई थी। वह लिखते हैं कि ''मैं करीब 20 वर्षों से इन्टरनैशनल मीडिया रिपोर्ट्स पर काम करता आया हूँ, चीन के सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले लोगों द्वारा किसी विदेशी नेता को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सत्तारूढ़ पार्टी ने छठे दिन भी संसद नहीं चलने दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। संसद के दोनों सदन बजट सत्र के दूसरे हिस्से के छठे दिन, सोमवार को भी स्थगित कर दिये गये क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा सदस्य राहुल गांधी द्वारा माफी माँगे जाने के लिये नारेबाजी कर रही थी, शोर-शराबा कर रही थी तथा उधर विपक्ष भी अडानी प्रकरण की जाँच के लिये जॉइन्ट

- दोनों ही सदन पहले दो बजे तक के लिए स्थगित किए गए थे, फिर पूरे दिन के लिए संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

पॉर्लियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) की माँग पर अड़ा हुआ था।

दोनों सदन पहले अपरान्ह 2 बजे तक के लिये तथा उसके बाद, वैसे ही परिदृश्य के चलते, दिनभर के लिये स्थगित कर दिये गये।

गत पूरे सप्ताह भी यही दोनों सदनों का आलम रहा था।

हालाँकि शोर-शराबा दोनों ही पक्षों

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'बंद लिफाफों में इन्फॉर्मेशन देना बंद कीजिये'

मुख्य न्यायाधीश ने एटॉर्नी जनरल को झाड़ पिलायी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचड़ ने आज अदालतों में ''सीलबंद लिफाफा व्यवस्था'' का सहारा लेने के चलन पर कड़ा ऐतराज़ जताया तथा एटॉर्नी जनरल द्वारा प्रस्तुत किये गये सीलबंद लिफाफे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। उन्होंने सरकार के सर्वोच्च वकील से कह दिया कि वे या तो इसे पढ़ें या फिर वापस ले जायें।

वन रैंक वन पेंशन (ओ.आर.ओ.पी.) केस की सुनवाई करते समय, मुख्य न्यायाधीश ने अदालतों में पेश किये जाने वाले सीलबंद लिफाफों के प्रयोग के चलन की घोर भर्त्सना की। उन्होंने भारत के अटॉर्नी जनरल द्वारा पेश किये गये उस सीलबंद लिफाफे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया, जिसमें पेंशन के भुगतान को लेकर रक्षा मंत्रालय का निर्णय प्रेषित

- सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश का कहना था कि, यह एक न्यायालय है, अतः पूर्ण पारदर्शिता अनिवार्य है। अतः बंद लिफाफे में जो जानकारी मुझे आप देना चाहते हैं या तो उसे पढ़ कर सबके समक्ष सुनाएं या लिफाफा वापस ले जायें।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'लिव इन रिलेशनशिप्स के रजिस्ट्रेशन की याचिका गैर जिम्मेदाराना'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को जनहित याचिका में ''गैर जिम्मेदाराना'' बताते हुये खारिज कर दिया, जिसमें लिव-इन-रिलेशनशिफ के रजिस्ट्रेशन की मांग की

- सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने लिव इन रिलेशनशिप्स के रजिस्ट्रेशन के लिए दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि, ''लोग कुछ भी लेकर आ जाते हैं, लोग लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं उसमें केन्द्र सरकार क्या करेगी।''

गई थी। अदालत ने कहा कि इस प्रकार के सम्बंध के लिये कोई नियम या गाइडलाइनें नहीं हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सिलिकॉन वैली बैंक को डूबने से बचाने के लिये अमेरिका ने ''पवित्र व पावन'' इकोनॉमिक सिद्धांत तोड़ दिये

अमेरिका का तर्क था, ''पवित्र व पावन'' सिद्धांतों का समय नहीं है, ''व्यवहारिक इकोनॉमिक्स'' का वक्त है

- पर, जब एशिया या अन्य ''थर्ड वर्ड'' के देश (जैसे पाकिस्तान, श्रीलंका आदि) अपने ऋण चुकाने में सफल नहीं हो रहे तो, आई.एम.एफ. व अन्य अमेरिका द्वारा संचालित व नियंत्रित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं, बहुत ही कड़े व शर्मिन्दा करने वाले नियम-कायदों की बात कर रहे हैं।
- आशा है इस ''रियल इकॉनमी'' (व्यवहारिक अर्थ नीति) में सामयिक रद्दोबदल से भारत भी कुछ सीखेगा।
- ''फिस्कल प्रूडैन्स'' इकॉनमी के सभी बैंकिंग नियम कायदों की पूर्ण क्रियान्विति के चक्कर में भारत के वित्त मंत्री ने इतने सख्त ''ब्रेक'' लगा दिये थे कि, पूरी इकॉनमी ही चरमरा कर रूक सी गयी थी।
- छोटा सा उदाहरण है, सिलिकॉन वैली बैंक के मामले में अमेरिका ने सार्वजनिक घोषणा की कि, डिपॉजिटर्स को सारा पैसा तुरंत मिलेगा, जब वे बैंक से पैसा निकालने जायेंगे। आम तौर पर बैंक के फेल होने की संभावना में इंश्योरैंस के नियम एक सीमा बांध देते हैं कि, डिपॉजिटर को कितना पैसा मिलेगा तुरंत। इससे घबराहट पैदा होती है तथा डिपॉज़िटर भगदड़ मचा देते हैं, पैसा निकालने की होड़ में। पर, अगर उसे पूरे पैसे मिलने की गारंटी तुरंत मिलने की सरकारी घोषणा होती है, तो पैसा निकालने वालों की भगदड़ अपने आप खत्म हो जाती है।
- क्या हिन्दुस्तान से कम से कम बैंक ऐसी घोषणा नहीं कर सकते, संकट के समय?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। अमेरिका के नीति निर्माताओं ने संकटों से घिरे सिलिकॉन वैली बैंक को संकट से उबारने के तुरत-फुरत कदम उठाए।

रीयल पॉलीटिक के समानांतर ''रीयल इकोनॉमिक्स'' की संज्ञा दी जा सकती है। रीयल-पॉलीटिक वास्तविक अर्थों में राजनीति करने की कला है और उसी तरह से रीयल इकोनॉमिक्स आर्थिक मुद्दों से वास्तविक तरीके से निबटना है। वर्ष 2007-2009 की वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद हमने निश्चित रूप से इसके कुछ उदाहरण देखे हैं, लेकिन 14 वर्ष बाद यह सारी स्मृति कमजोर हो गई है।

साधारण अर्थों में यह किसी आर्थिक आपातकाल से कथित मुक्त व्यापार के दृढ़ सिद्धान्तों के बजाए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण रखकर निबटना है।

मुक्त व्यापार अर्थव्यवस्था के मक्का माने जाने वाले अमेरिका में ऐसे उच्च सैद्धान्तिक मापदण्डों का कई बार उल्लंघन होता आया है, जिसमें इसे मानने वालों ने विकासशील देशों की उनके संकट के समय में सहायता की जिसे वॉशिंगटन सर्वानुमति'' के नाम से जाना गया।

वॉशिंगटन सर्वानुमति ने आर्थिक संकट का सामना कर रहे देशों को ऋण देने के लिए मितव्ययता बरतने की शर्तें रखीं। उदाहरण के तौर पर हाल ही कुछ देश चीन से विशालकाय ऋण लेने के बाद एक तरह से दिवालिया हो गए हैं। इन देशों पर यह दबाव डाला जा रहा है कि वे मितव्ययता के व्यापक उपाय करें।

तथापि, पिछले गुरुवार को जब सिलिकॉन वैली बैंक के जमाकर्ताओं ने अपनी रकम निकालनी शुरु की तब अमेरिका के केन्द्रीय बैंक और अमेरिकी सरकार ने इसके डूबने के प्रति उदासीन

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में किसानों की विशाल रैली, एक और आंदोलन की चेतावनी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। हजारों की संख्या में किसान सोमवार को संसद भवन से 5 किमी दूर स्थित रामलीला

- संसद भवन से 5 किलोमीटर दूर रामलीला मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों की बड़ी सभा हुई, बाद में किसानों ने केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

मैदान में एकत्रित हुये तथा उन्होंने धमकी के स्वर में कहा कि अगर सरकार ने उनकी माँगे, जिनमें मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) को लेकर कानून,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

व्यस्त मनुष्य को आंसू बहाने का अवकाश नहीं। –बायरन

आधुनिक जीवन शैली का समाज पर प्रभाव

सभ्यता के प्रारंभ से जीवन शैली में बदलाव निरंतर होता रहा है। पिछले 30 वर्षों में, विशेष रूप से 1991 के उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों के कारण जीवन शैली में बहुत तेजी से बदलाव आया है, जिसका समाज पर भी व्यापक रूप से प्रभाव पड़ा है।

स्वतंत्रता के बाद पहले कुछ दशकों तक मितव्ययिता को एक प्रमुख महत्वपूर्ण गुण माना जाता था। बचपन से ही बचाने का गुण विकसित करने के उद्देश्य से बच्चों को गुल्लक दी जाती थी जिसमें वे अपनी पॉकेट मनी में बचत करके जमा करते थे। बड़ों में में बचत को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारों द्वारा कई प्रकार की प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जाती थीं। बचत को, एक प्रकार से, किसी भी मध्यम वर्गीय परिवार द्वारा भविष्य की सुरक्षा की गारंटी के रूप में भी देखा जाता था। बच्चों की पढ़ाई हो, उनका विवाह हो या और किसी सामाजिक दायित्व का निर्वहन हो, बचत को सदैव उपयोगी माना जाता, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों में। वैसे भी जब हम जीवन शैली का समाज पर प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं तो सर्वाधिक प्रभाव को मध्यवर्गीय समाज पर ही हुआ है। अत्यधिक उच्च वर्ग पर और निम्न पर इसका विशेष प्रभाव नहीं हुआ है। उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के कारण विश्व के अन्य देशों में बनने वाले उत्पादों की उपलब्धि देश में बढ़ने लगी वस्तुओं की प्रकृति और उसकी गुणवत्ता में तेजी से बदलाव आया। पहले जहां वस्तुओं की उपलब्धि सीमित मात्रा में जिसे कारण पहले विक्रेताओं का प्रभुत्व था वहीं वस्तुओं की प्रचुर मात्रा में उपलब्धि के कारण यह अब *सेलर्स मार्केट* में बदल गया है। पुरानी पीढ़ी के लोगों को याद होगा कैसे गैस अथवा टेलीफोन कनेक्शन लेने के लिए सालों इंतजार करना पड़ता था। इस हेतु सांसदों और विधायकों का कोटा निर्धारित होता था। राजस्थान के उदयपुर शहर में बजाज स्कूटर की बुकिंग हेतु इतनी अधिक भीड़ हो गई कि भगदड़ मचने से कुछ लोग जीवन से हाथ खो बैठे थे। धीरे-धीरे समाज उपयोग से उपभोक्तावाद की ओर बढ़ गया है। पहले लोग जहां आवश्यकता के अनुसार वस्तुएँ खरीदते थे अब कई बार केवल दिखाने के लिए ऐसा करने लगे हैं, चाहे उसकी आवश्यकता न भी हो बाजार की संस्कृति अत्यधिक हावी होती चली गई। इसी कारण बचत की प्रवृत्ति कम हुई है। हाल ही में सरकार द्वारा आयकर कानून में लाए बदलाव के बाद, बचत की रही सही प्रवृत्ति भी प्रवृत्ति भी समाप्त हो जाएगी। सरकार के निर्णय का आशय यही है कि जितना अधिक खर्च कर सकें, उतना करें। यदि आपके पास पैसा नहीं भी है तो विभिन्न कंपनियां आपको कर्जा देने को तैयार बैठी हैं। फिर चाहे उसकी किश्तों को चुकाने में आपको शोषण का शिकार ही क्यों ना होना पड़े। वर्तमान समाज में *आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया* वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

बढ़ते खर्चे के कारण पति-पत्नी दोनों ने काम करना प्रारंभ कर दिया। आजकल एक प्रकाश से आवश्यक सा हो गया है कि पति पत्नी दोनों ही पूर्णकालिक काम पर अपने आप को लगाएं। इसके कारण बच्चों की परवरिश के लिए जितना समय पहले मिलता था वह समाप्त हो गया है। एकाकी जीवन जीने के लिए वे बाध्य हो गए हैं माता-पिता दोनों कार्य पर चले जाएं और छोटे बच्चे घर पर हैं वे या तो या तो वे आया के भरोसे पलते हैं या फिर उन्हें किसी creche' में डाल दिया जाता है। बच्चे प्रारंभ में ही मां की ममता और वात्सल्य से वंचित रहेंगे तो आगे चलकर इसका प्रभाव निश्चित रूप से उनके मानसिक विकास पर देखा पड़ता है।

बच्चों का माता-पिता के साथ प्रारंभ के कुछ साल न बिताने का ही परिणाम है कि उनका लगाव नगण्य होता है जिसके फलस्वरुप घर के बड़े बुजुर्गों के लिए बड़ी संख्या में वृद्ध आश्रम खोलने पढ़ रहे हैं। पहले संयुक्त परिवार होते थे, क्योंकि अधिकांशतः बच्चे अपने पिता के स्थानीय काम में भागीदार बन जाते, चाहे वह खेती हो कोई दुकान अथवा और कोई छोटा-मोटा व्यवसाय। अब कृषि भूमि पर दबाव बढ़ने के कारण और रोजगार के पर्याप्त साधन अपने गांव में उपलब्ध नहीं होने के कारण युवाओं को अपना घर छोड़कर बाहर किसी दूसरे शहर में जाने हेतु मजबूर होना पड़ता है। सीमित परिवारों के कारण घर एक या दो ही बच्चे होते हैं। इसके कारण, परस्पर सहयोग, सहकार की भावना जिस प्रकार संयुक्त परिवारों में बचपन से विकसित होती थी, उसके अवसर कम होते गए हैं। कुछ दशक पूर्व तक भाइयों के परिवार एक साथ रहते और यही पता नहीं होता था कि सगा भाई-बहन है अथवा चचेरा। सभी एक साथ रहते खाते, पढ़ते, खेलते थे अब ऐसे परिवारों की अवधारणा केवल किताबों में सिमट रह गई है। सामूहिक रूप से रहने की एवं एक-दूसरे के कष्ट में सहायता हेतु सदैव तत्पर रहने का जो भाव रहता था, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

आधुनिक तकनीक ने सामूहिक सह अस्तित्व के भाव को लगभग समाप्त कर दिया है। आजकल यह एक सामान्य दृश्य है कि यदि कोई पारिवारिक समारोह भी होगा तो उसमें सभी व्यक्ति (छोटे-बड़े), अपने-अपने मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। मोबाइल पर व्यर्थ होने वाला समय सामाजिकता के अवसर को कम ही करता है। समाज एकल परिवारों में बंट कर रह गया है और इस कारण सामुदायिक भावना समय कम होती गई। आधुनिक जीवन शैली का प्रभाव, पारंपरिक त्योहारों पर भी पड़ा है। अलग-अलग ऋतु के अनुसार हमारे यहां त्योहार मनाए जाते रहे हैं और कई बार स्वादिष्ट व्यंजन, पापड़, बड़ी, पापड़ी, आलू चिप्स, मंगोड़ी आदि महिलाएं मिल-जुल कर बनाती थीं। बहु मंजिला इमारतों के समय में न तो साथ बैठकर बनाने के लिए स्थान उपलब्ध है न खाने के लिए।

आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा बुरा प्रभाव तो बच्चों एवं बुजुर्गों पर पड़ा है क्योंकि इन दोनों के लिए कामकाजी माता-पिता के पास कोई समय नहीं है। सभ्यता के विकास के साथ होना तो यह चाहिए था कि हम पश्चिम की कुछ अच्छी बातों को ग्रहण करते और अपने पुराने संस्कारों को बचाए रखते। किंतु दुर्भाग्यवश हुआ यह कि, हमने पश्चिम की विकृत प्रवृत्तियों को तो अपना लिया और अपने अच्छे संस्कारों को छोड़ दिया।

आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा बुरा प्रभाव तो बच्चों एवं बुजुर्गों पर पड़ा है क्योंकि इन दोनों के लिए कामकाजी माता-पिता के पास कोई समय नहीं है। सभ्यता के विकास के साथ होना तो यह चाहिए था कि हम पश्चिम की कुछ अच्छी बातों को ग्रहण करते और अपने पुराने संस्कारों को बचाए रखते। किंतु दुर्भाग्यवश हुआ यह कि, हमने पश्चिम की विकृत प्रवृत्तियों को तो अपना लिया और अपने अच्छे संस्कारों को छोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप तकनीकी के दुष्प्रभाव से स्वयं को बचाने के संस्कार बच्चों में विकसित नहीं हो पाए। आजकल जन्म लेते ही बच्चा मोबाइल को अपना सबसे बड़ा साथी मानने लगा है और ऐसा में मांएं भी जिम्मेदार हैं। अब तो माँ के बजाय मोबाइल को प्राथमिकता देने लगा। मोबाइल पर जिस प्रकार के खेल अधिकांश खेलते हैं उनसे हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। आजकल की जीवन शैली का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यौनिक हिंसा की बढ़ती घटनाएं हैं। युवाओं में सहिष्णुता तो जैसे समाप्त ही हो गई है।

आधुनिक जीवन शैली में महिलाओं के सशक्तिकरण का तात्पर्य यह मान लिया गया कि वे बाहर जाकर काम करें, परिवार और बच्चों पर अधिक समय ङव्यर्थङ नहीं करें क्योंकि यह बेकार का काम है। तथाकथित बराबरी की आड़ में उन्होंने हर उस काम को कमजोर करने की निशानी मान लिया है जो परिवार में सामंजस्य, सहयोग के लिए किया जाय। के बड़ों का अनादर करना सशक्तिकरण का अर्थ मान लिया गया है। किसी भी बात को बिना तार्किक आधार के स्वीकार नहीं करना एक बात है और अपनी भाषा की मर्यादा छोड़कर बड़ों से बात करना अलग बात है। आधुनिकता का समाज पर प्रभाव यह भी है कि भाषा की मर्यादा कम हुई है। घरों में आजकल जिस प्रकार मर्यादा विहीन भाषा का प्रयोग होता है वह भी आधुनिक शैली का एक प्रभाव है।

पहले जहां विवाह समारोह तीन-चार दिन चलते थे, इसके बावजूद बहुत कम खर्च होता था, वहीं आजकल तड़क-भड़क और दिखावे पर अधिक जोर हुआ है। जिनकी हैसियत नहीं है उन्हें भी कर्जा लेकर विवाह समारोह पर अनावश्यक खर्चा करना पड़ता है। समाज में गैर बराबरी बढ़ने के साथ ही संपन्न वर्ग अपने से कमजोर लोगों को अपनी संपन्नता का अहसास कराने के इन समारोहों को अच्छा अवसर मानता है।

एक लाभ आधुनिकता का हुआ है। जहां स्त्रियों को केवल वस्तु माना जाता था वहां उन्हें अब इंसान अवश्य माना जाने लगा है। पहले के जमाने में स्त्रियों को शास्त्रों में तो अनुसार पूजनीय माना गया किंतु व्यवहार उनके साथ उसी प्रकार का होता था जैसे वह उनकी खरीदी हुई गुलाम हो।

गत कुछ वर्षों में, आईटी के क्षेत्र में अनेक युवतियों ने प्रवेश किया है, जिसके कारण वे आर्थिक रूप से सक्षम हुई हैं, किंतु साथ ही मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के कारण विदेशों के समय अन्तर ले के चलते देर रात तक काम करना पड़ता है। इसके कारण समाज में मिलने-जुलने की प्रवृत्ति बहुत कम हुई है। पहले जहां किसी मित्र या परिजन के यहां जाना होता, तो सीधे ही उसके घर पहुंच जाते थे। समय लेने की औपचारिकता नहीं होती थी। एक मोहल्ले में गए, कोई मिल गया तो ठीक और जो नहीं मिल गए तो कोई बात नहीं, कोई और तो मिल ही जाता था। दरवाजे पर दस्तक देकर यदि कोई आ जाता तो उसका पूरी गर्माहट से स्वागत होता था। आजकल तो बिना फोन पर समय निश्चित बिना मिलना सम्भव ही नहीं है। यदि कोई बिना बताए पहुंच जाए तो उसके प्रति इस प्रकार का भाव दर्शाया जाता है जैसे आने वाले ने कोई अपराध कर लिया हो। एक कमरे में या छोटे घरों में भी बड़ी आसानी से कई लोग रह लेते थे। आजकल कई कमरों वाला घर होते हुए भी रिश्तेदारों को होटल में ठहराना चाहते हैं। रिश्तेदारों में त्योहारों का अर्थ केवल गिफ्ट का लेन-देन बन कर रह गया है। कुछ रिश्ते तो भविष्य में केवल इतिहास ही बनकर रह जाएंगे। पहले लगभग हर व्यक्ति के पास चाचा, ताऊ, ताई, चाची, मामा-मामी, बुआ, फूफा, मौसा, मौसी हुआ करते थे। आजकल सब रिश्ते केवल अंकल आंटी तक सीमित होकर रह गए हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति के कारण विवाह जैसी संस्था पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

आधुनिक संस्कृति का हमारे त्योहारों पर भी बहुत असर पड़ा है। दिवाली पर मिट्टी के दिए जलाना लगभग समाप्त हो गया है। अब तो चीन में बने हुए एलईडी लाइट से ही दिवाली मनाने की औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। पहले जहां होली पर अरारोट की गुलाल बनाई जाती थी वहीं आजकल रासायनिक गुलाल लोग बनने लगी है जिससे त्वचा खराब होने के डर से लोगों ने होली खेलना बहुत कम कर दिया है। आजकल मोहल्लों में खेलने वालों की टोलियाँ बहुत कम दिखती हैं। गत कुछ वर्षों से बहुमंजिला इमारतों में पुनः एक बार ङसोसायटी कल्चरङ प्रारंभ हुआ है।

राजनीति के क्षेत्र में भी प्रचार का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां घर-घर जाकर प्रचार, पर्चे बांट कर एवं गलियों-मोहल्लों में सभा की जाती थी, वहीं आजकल इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के कारण स्वरूप ही बदल गया।

गत दो-तीन दशकों में विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय का महत्व कम हो गया है और कोचिंग संस्थान अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। यह कहना सही होगा कि कोई भी क्षेत्र हो, अब उसमें पूर्णतया व्यावसायिकता का प्रवेश हो गया है। पहले जहां चिकित्सा और शिक्षा में लोग मानवता की सेवा के लिए आते थे थे वहीं आजकल ये जल्दी पैसा कमाने के साधन बन गए हैं। पैसा कमाने की होड़ में लोगों ने नैतिकता, मानवीयता, सब को ताक पर रख दिया है। समाज में पैसे की प्रतिष्ठा पहले से कहीं अधिक हो गई है। पहले जहां सद्व्यवहार और ज्ञान पर अधिक बल दिया जाता था और उसे प्रतिष्ठा भी मिलती थी, वहीं ये आजकल जीवन में आगे बढ़ने के मार्ग में बाधक माने जाने लगे हैं। आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह हुआ कि मनुष्य का प्रकृति से संबंध विच्छेद ही हो गया है। आजकल के बच्चों के लिए प्रदूषण के कारण आकाश में रात को सितारे देखना संभव ही नहीं है। फल सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को कृत्रिम रूप से बड़ा और अच्छा दिखाने की होड़ में कई प्रकार के रासायनिक तत्वों का उपयोग होने लगा है, जिसके कारण के कारण कई प्रकार की बीमारियां विशेषकर कैंसर में बड़ी तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

कहा जा सकता है कि आधुनिक जीवन शैली जो वरदान सिद्ध हो सकती थी, मनुष्य के लोभ और स्वार्थ के कारण समाज के लिए अभिशाप बन कर रह गई है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

पं भवानी सहाय शर्मा जी की जयंती दिवस 21 मार्च के संदर्भ में सादर श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता सेनानी: पं. भवानी सहाय शर्मा

डॉ. डी. सी. मीना

पहलवानी का शौक रखने वाले एवं 'शेर-ए-राजस्थान' के नाम से प्रसिद्ध पंडित भवानी सहाय शर्मा का जन्म माता जीवनी एवं पिता श्री रामचन्द्र शर्मा के यहां अलवर जिले के राजगढ कस्बे में 21 मार्च 1909 को हुआ। इनके पिता पंडित रामचन्द्र रेल विभाग में बांदीकुई कस्बे में गार्ड के पद पर कार्यरत थे।

भवानी सहाय ने प्रारंभिक शिक्षा राजगढ में तथा मिडिल तक की शिक्षा बांदीकुई से प्राप्त की। मिडिल परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात आगे की शिक्षा प्राप्त करने हेतु दिल्ली के रामजस कॉलेज में दाखिला लिया। उनका परिचय कैलाशपति नामक क्रांतिकारी से हुआ।

हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) दल में अनुशासन एवं गोपनीयता के नियम बहुत कठोर थे। पं. भवानी सहाय को लगातार छः माह तक उक्त दल की कठिन परीक्षा से गुजरने के पश्चात ही दल में शामिल किया गया। गोपनीयता के नियम के तहत उन्हें प्रत्येक जगह अलग-अलग नाम से जाना जाता था। उनकी गतिविधियों पर गुप्तचर एजेंसियों को संदेह होने लगा तो उन्होने छात्रावास छोड़ दिया और कमरा किराये पर लेकर रहने लगे। दल की ओर से पं. भवानी सहाय को दिल्ली आने-जाने वाले सदस्यों के आवास एवं सुरक्षा का काम सौंपा गया था। सन् 1927 में पं. भवानी सहाय को हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) की दिल्ली शाखा का सहायक ऑर्गेनाइजर नियुक्त किया गया। जब लाहौर षडयंत्र केस में जयदेव कपूर की गिरफ्तारी हुई तो जयदेव कपूर के कोट की जेब से भवानी सहाय का नाम एवं पता लिखा एक पर्चा मिला। इस पर्चे में अंकित पते पर पहुंचकर पुलिस निरीक्षक पं. भवानी सहाय के भाई श्री देवी सहाय को लेकर पं. भवानी सहाय के पते पर दिल्ली पहुंचे जहां पुलिस निरीक्षक ने पं. भवानी सहाय से गम्भीर पूछताछ की लेकिन वो अपनी चतुराई से बच गये तथा पुलिस निरीक्षक ने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया।

जब बड़े भाई को पं. भवानी सहाय की क्रांतिकारी गतिविधियों के बारे में पता चला तो उन्होने यह राह छोड़कर घर बसाने की सलाह दी तो पं. भवानी सहाय ने उत्तर दिया कि "अब मेरे जीवन का एक ही लक्ष्य है भारत माता को आजाद कराना।"

पं. भवानी सहाय की निष्ठा एवं समर्पण से चन्द्रशेखर आजाद अत्यधिक प्रभावित थे। इसलिए आजाद ने उन्हे स्वंय पिस्तौल चलाना सिखाया। तकनीकी रूप से दक्ष होने के कारण पं. भवानी सहाय सभी तरह की पिस्तौलों की मरम्मत के अलावा मोटर एवं मोटर साईकिल की मरम्मत का काम भी जानते थे। अत: उनको महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गये। पं. भवानी सहाय अपने साथियों के साथ दिल्ली के समीप नलगढ में हथियारों का प्रशिक्षण प्राप्त करते थे। मवाना (मेरठ), टाटेरी (बागपत), हापुड, बलूचपुर इत्यादि पं. भवानी सहाय के गुप्त सुरक्षित ठिकाने थे। पं. भवानी सहाय प्रथम बार 28 अगस्त, 1931 को दिल्ली षडयंत्र केस के फरार क्रान्तिकारी के रूप में गिरफ्तार किये गये लेकिन प्रशासनिक एवं वित्तीय कारणों से मुकदमा ना चलाकर धारा 110 सीआरपीसी का मुकदमा बनाकर 10,000 रूपये की जमानत पर रिहा कर दिया। इसी दौरान लोथेन ट्रेन आउटरेज केस में इनकी संदिग्ध भूमिका के आधार पर 26 फरवरी, 1932 को उन्हें "स्पेशल पावर आर्डिनेंस" की धारा 3 में हिरासत में लिया गया।

हरबंधु पार्टी के कलकत्ता, इलाहबाद, मेरठ, पंजाब एवं दिल्ली में होने वाली क्रान्तिकारी गतिविधियों से भी संबंध थे। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इनकी गिरफ्तारी को जारी रखने हेतु 22 फरवरी 1932 को दिल्ली के सी.आई.डी. के पुलिस अधीक्षक ने दिल्ली के उपायुक्त को पत्र लिखा कि पं. भवानी सहाय उर्फ रामनाथ उर्फ रामप्रसाद पुत्र श्री पं.रामचन्द्र ब्राहम्ण निवासी राजगढ रियासत अलवर को 'रेगुलेशन-III ऑफ 1818' के तहत गिरफ्तार किया जाये, इसकी गिरफ्तारी के लिए जो सामग्री तैयार की गई वह दिल्ली पुलिस अधिकारी मिस्टर पील द्वारा की गई।

उपायुक्त ने 18 मार्च 1932 को डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन मिस्टर बामफोर्ड को लिखा कि क्या भवानी सहाय के विरूद्ध तैयार सामग्री दो जिला न्यायाधीशो को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त है। इसके जवाब में दिनांक 26.03.1932 को डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (डी.आई.बी.) के प्रमुख मिस्टर बामफोर्ड ने अपनी विस्तृत गुप्त रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी। मिस्टर बामफोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि पं. भवानी सहाय के खिलाफ जो रिपोर्ट मिस्टर पील द्वारा तैयार की गई थी वह पाँच आतंकवादियों के बयानों पर आधारित थी। इन पाँच आतंकवादियों के बयानों के आधार पर मिस्टर पील द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई।

पुनः कैलाशपति और ओमप्रकाश दोनों ने अपने बयानों में उल्लेख किया है कि पं. भवानी सहाय ने दिल्ली में 25.01.1930 को "द फिलास्फी ऑफ द बम" शीर्षक वाले पत्रकों का वितरण पार्क में किया था।

दिल्ली, संयुक्त प्रांत, पंजाब और बम्बई में इस संगठन की गतिविधियों को देखा जा सकता है। 26 जनवरी 1932 को हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) के पर्चे (पम्पलेट) तथा अन्य गतिविधियों के लिए दिल्ली षडयंत्र मामले में फरार लोगों की गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिनमें भवानी सहाय, यशपाल, काशीराम और हंसराज प्रमुख हैं। इनमें यशपाल और काशीराम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बामफोर्ड की रिपोर्ट पर गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने टिप्पणी की, कि भवानी सहाय के खिलाफ मामला बहुत मजबूत है जो मैने देखा है उससे कहीं ज्यादा मजबूत है। मैं मिस्टर बामफोर्ड के द्वारा लिखे गये सभी तथ्यों से सहमत हूँ और भवानी सहाय के खिलाफ "रेगुलेशन-III ऑफ 1818" के मामले को दर्ज करने में मुझे कोई हिचकिचाहट नही है जो जीवन भर के लिए जेल में नहीं रहने के लिए बेहद भाग्यशाली है। दो हत्याओं के प्रयास के अलावा वह व्यवहारिक रूप से दिल्ली के षडयंत्रकारियों द्वारा किये गये सभी अपराधों में शामिल रहा है। मेरी राय में कोई भी सत्र न्यायाधीश उक्त प्रस्ताव की सहमति के अलावा कोई अन्य निर्णय संभवत: नही दे सकता।

पं. भवानी सहाय के मामले में दो जिला न्यायाधीशो की राय लेने का आदेश दिया गया जो या तो पंजाब से हो या बंगाल से। भारत सरकार ने 5 अप्रेल 1932 को पंजाब सरकार को लिखा कि प्रसिद्ध क्रांतिकारी भवानी सहाय जो कि आपातकालीन शक्तियों के अध्यादेश (इमरजेंसी पावर आर्डिनेंस) की धारा 3 के तहत 25 अप्रेल 1932 तक हिरासत में हैं। डायरेक्ट्रेट ऑफ इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो द्वारा भवानी सहाय पर "रेगुलेशन-III ऑफ 1818" के तहत कार्यवाही प्रस्तावित है। दिल्ली प्रशासन द्वारा न्यायाधीश उपलब्ध करवाना सम्भव नही हैं। अत: पंजाब सरकार अतिशीघ्र दो जिला न्यायाधीशो की सहमति प्राप्त कर भिजवाये। इसके प्रत्युत्तर में लाहौर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोर्डन वाल्कर ने दिनांक 18.04.1932 को रिपोर्ट की कि, "मेरे सामने उपलब्ध सबूतों के आधार पर मैं संतुष्ट हूँ कि भवानी सहाय क्रांतिकारी साजिश का सदस्य है और उसके बड़े होने से राज्य को खतरा है।" दिल्ली के चीफ कमिश्नर ने केन्द्रीय गृह सचिव को 28 अप्रैल 1932 को पत्र लिखकर प्रार्थना की– दिल्ली की जेल में राज्य कैदी के लिए सुविधाओं का अभाव है एवं भवानी सहाय एकांतवास से गुजर रहे हैं तथा इस जेल में दिल्ली षडयंत्र केस के विचाराधीन कैदियों से इनका संवाद स्थापित हो सकता है इसलिए इनको अन्यत्र जेल में स्थानान्तरित किया जावे जिस पर गृह विभाग द्वारा पंजाब में चल रहे गदर आन्दोलन एवं बंगाल में चल रही क्रान्तिकारी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से वहां न भेजकर भवानी सहाय को 22 फरवरी 1933 को इनके निवास स्थान की निकटता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश स्थित नैनी जेल में भेजा गया।

3 अगस्त 1933 को भवानी सहाय ने गर्वनर जनरल को पत्र लिखकर निवेदन किया कि उन्हें बिना ट्रायल के संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। देश की राजनीतिक परिस्थितियां बदल रहीं हैं तथा प्रतिदिन निर्दोष बन्दियों को रिहा किया जा रहा है तथा प्रार्थी का स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। 29 जनवरी 1934 को जेल अधीक्षक ने आई.जी. जेल उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर कहा कि पिछले 06 माह से उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।

भवानी सहाय के भाई देवी सहाय ने महात्मा गांधी को भवानी सहाय को रिहा करवाने के संबंध में लिखे गये पत्र के प्रत्युत्तर में महात्मा गांधी ने 24 फरवरी 1938 को पत्र द्वारा लिखा कि "भाई देवीसहाय, सब कैदियों के लिए मेरी कोशिश तो चल रही है"। इसी क्रम में 25 मार्च 1938 को विधानसभा में मोहन लाल सक्सैना द्वारा तीनों राज्य कैदियों श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा, श्री वैशम्पायन एवं भवानी सहाय शर्मा की रिहाई के संबंध में उठाये गये प्रश्न के उत्तर में सरकार द्वारा जवाब दिया गया कि "जब तक लोकहित में उचित समझा जाएगा इनको हिरासत में रखा जायेगा"। अंग्रेजों द्वारा उक्त कैदियों की रिहाई के लिए अनुचित मांगों को नहीं मानने पर 11 जनवरी 1939 को लाल बहादुर शास्त्री ने दिल्ली जेल में भवानी सहाय को पत्र लिखकर उनके साहस की प्रशंसा की, साथ ही रिहा नहीं होने पर दुख भी प्रकट किया। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में अहिंसा के द्वारा ही कार्य हो सकता है।

जेल में भवानी सहाय के साथ अजमेर के श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा एवं झांसी के श्री वी. वैशम्पायन भी थे। श्री वैशम्पायन ने अपने संस्मरण "अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद" में लिखा है कि 1937 में श्री लाल बहादुर शास्त्री जी नैनी जेल के विजिटर नियुक्त किये गये थे। उस दौरान हमने श्री शास्त्री जी से जेल से रिहा करवाने हेतु निवेदन किया जिसके प्रत्युत्तर में शास्त्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें रिहा नहीं कर सकती, हमारा रिहाई का प्रश्न केन्द्र सरकार के अधीन है। तब हमने केन्द्र सरकार को लिखित आवेदन किया कि हमें दिल्ली वापस भेजा जाये अन्यथा हम अपनी रिहाई के लिए अनशन करेंगे। इस पर 01 फरवरी 1938 को हमें दिल्ली भेज दिया गया। दिल्ली जाकर हमने पुन: केन्द्र सरकार को पत्र लिखा कि हमें छोडा नहीं गया तो हम भूख-हडताल कर देंगे। इस पर केन्द्र सरकार द्वारा हमसे लिखित में हिंसात्मक कार्यवाही में भाग नहीं लेने तथा दिल्ली एवं पंजाब नहीं जाने का आश्वासन मांगा गया। ऐसा हमारे द्वारा कोई भी आश्वासन नहीं दिया गया तथा मैंने मेरे साथी श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा एवं श्री भवानी सहाय शर्मा के साथ भूख हडतात प्रारंभ कर दी। उस समय कांठोस का त्रिपुरी अधिवेशन चल रहा था। उसी अवसर पर गांधी जी ने भी कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के प्रश्न पर भूख हडताल की थी। हमारी 23 दिन की भूख हडताल के पश्चात गांधी जी की मध्यस्थता से हमारा अनशन समाप्त हुआ और हम एक सप्ताह के अन्दर ही 19 मार्च 1939 को छोड दिये गये। वर्ष 1941 में भिवाणी के स्वतंत्रता सेनानी श्री नेकीराम शर्मा की पुत्री विद्यादेवी शर्मा से उनकी शादी हुई। उसके बाद भवानी सहाय ने स्वतंत्रता प्राप्ति तक अपने निवास स्थान राजगढ, अलवर में प्रजामण्डल आन्दोलन एवं आजादी की लडाई को जारी रखा। राजगढ में उन्होंने बिजलीघर, चक्की तथा सूत कताई हेतु बॉबिन फैक्ट्री की स्थापना की। भवानी सहाय राजगढ नगरपालिका के अध्यक्ष रहे तथा थानागाजी से राजस्थान विधानसभा के 05 वर्ष तक सदस्य रहे।

15 अगस्त 1972 को प्रधानमंत्री के हाथ से दिल्ली में ताम्र पत्र स्वीकार करते हुए श्री भवानी सहाय ने कहा कि "क्रान्तिकारी कहलाने वाला आदमी केवल इस बात को अपना गौरव समझता था और अपने जीवन का सबसे बडा पुरस्कार मानता था कि उसका जीवन मातृभूमि की सेवा में समर्पित हो जाये। सरफरोशी की तमन्ना उसकी एकमात्र तमन्ना थी, मातृभूमि उसकी एकमात्र देवी थी और स्वतंत्रता उसका एकमात्र लक्ष्य"। उत्तरी भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी पं. भवानी सहाय शर्मा का 7 अक्टूबर 1985 को जयपुर में लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया।

–डॉ. डी.सी. मीना,
आर. ए. एस.

'चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच पीएम मोदी लोकप्रिय'

■ अमेरिका की पत्रिका ''डिप्लोमैट'' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी लोकप्रिय हैं और उन्हें सम्मान से मोदी लाओक्सियन कहा जाता है, जिसका अर्थ ''मोदी अमर'' हैं।

जयपुर। अमेरिका की पत्रिका "डिप्लोमैट" में प्रकाशित एक लेख के अनुसार चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों (नेटिजेन) के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी लोकप्रिय हैं और उन्हें सम्मान से मोदी लाओक्सियन कहा जाता है, जिसका अर्थ "मोदी अमर" हैं।

दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के बावजूद, किसी अंतरराष्ट्रीय नेता के लिए यह एक दुर्लभ सम्मानजनक संदर्भ है। रणनीतिक मामलों पर केंद्रित पत्रिका "डिप्लोमैट" के लेख "चीन में भारत को कैसे देखा जाता है?"में पत्रकार म्यू चुनशान ने यह भी लिखा कि ज्यादातर चीनी मानते हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के प्रमुख देशों के बीच संतुलन बना कर रख सकता है। चुनशान चीनी सोशल मीडिया विशेष रूप से सिना वेइबो का विश्लेषण करने के लिए मशहूर हैं। सिना वेइबो चीन में ट्विटर जैसा सोशल मीडिया मंच है और इसके 58.2 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। आलेख के अनुसार "चीनी इंटरनेट पर प्रधानमंत्री मोदी का एक असामान्य उपनाम है: मोदी लाओक्सियन। लाओक्सियन का संदर्भ कुछ विशेष क्षमताओं वाले एक बुजुर्ग अमर व्यक्ति से है। उपनाम का अर्थ है कि चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोग सोचते हैं कि मोदी कुछ भिन्न हैं-और आश्चर्यजनक भी-अन्य नेताओं की तुलना में।"

उन्होंने लिखा है कि चीनी लोग मोदी की पोशाक और शारीरिक हावभाव दोनों की ओर इशारा करते हैं तथा उनकी कुछ नीतियों को भारत की पिछली नीतियों से अलग मानते हैं।

कुछ चीनी नागरिकों का मानना है कि भारत रूस, अमेरिका सहित विभिन्न प्रमुख देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रख सकता है। उन्होंने कहा कि लाओक्सियन शब्द मोदी के प्रति चीनी लोगों की जटिल धारणा को दर्शाता है, जिसमें जिज्ञासा, विस्मय आदि शामिल हैं। म्यू ने कहा, "मैं करीब 20 साल से अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कर रहा हूं और चीनी नेटिजेन (इंटरनेट उपयोगकर्ता) के लिए किसी विदेशी नेता को उपनाम देना दुर्लभ है। मोदी का उपनाम अन्य सभी से ऊपर है। निश्चित रूप से, उन्होंने चीनी जनमत पर एक छाप छोड़ी है।"

कैलामाता के दर्शनों के लिये उमड़ रहे भक्त

■ कैला मैया के लांगुरिया गीतों की धुन पर मां कैला देवी धाम की ओर भक्त बढ़ते जा रहे हैं

करौली (नि.स.)। कैलादेवी के चल रहे लक्खी मेले में माता के दर्शनों के लिए पद यात्रियों का रेला का रेला उमड़ रहा है। कैला मैया के लांगुरिया गीतों की धुन पर मां कैला देवी धाम की ओर बढ़ते जा रहे है।

कैला देवी जी के लक्खी मेले में मां कैला देवी के दर्शनों के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि जगह से श्रद्धालु पदयात्रा पर आ रहे हैं करौली में प्रवेश से पूर्व करौली- हिण्डौन सड़क मार्ग पर करौली के निकट स्थित अंजनी माता मंदिर के पास पांचना नदी के पुल के पास बने घाटों पर महिला, पुरुष, बालक पदयात्री स्नान कर मां कैलादेवी धाम के लिए आगे बढ़ते जा रहे हैं पांचना पुल के घाटों पर पांचना के भरे पानी से सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से वोट चला रखी है जो घाटों पर नहाने वाले, नदी में कूदकर नहाने वाले श्रद्धालुओं पर निगरानी बनाए हुए हैं। वही ग्राम पंचायत माची की ओर से यात्रियों को सुरक्षित रहने की माईको के द्वारा चेतावनी दी जा रही है और रात्रि के समय श्रद्धालु परेशान ना हो इसके लिए ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा रोशनी की भी पुख्ता व्यवस्था की गई है।

राशिफल मंगलवार 21 मार्च, 2023

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र सांय 5:25 तक, शुभ योग दिन 12:41 तक, चतुष्पद करण दिन 12:20 तक, चन्द्रमा दिन 11:57 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:25 से सूर्योदय तक है। आज चैत्री अमावस्या, देव पितृकार्य अमावस्या, मन्वादि और आज चान्द्र संवत्सर 2079 विक्रमी संवत होगा। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:34 से 11:04 तक, लाभ अमृत 11:04 से 2:04 तक, शुभ 3:34 से 5:04 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व में करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

कन्या

अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

घर-परिवार के कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। भागदौड़ से राहत मिलेगी। कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

'गोरैया संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक करने की जरुरत'

- उदयपुर में ग्रीन पीपल सोसायटी की ओर से सूचना केद्र में विश्व गौरेया दिवस पर संभागीय आयुक्त ने श्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मानित किया
- अर्थ ऑवर 2023 विषयक चित्रकला प्रतियोगिता में महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर की भूमिका झाला प्रथम, अवनि सिंह द्वितीय व यशस्वी परिहार तृतीय स्थान पर रही।

उदयपुर, (कासं)। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा है कि एक दौर था जब हमारी सुबह गौरेया की चहचहाहट के साथ शुरू होती थी और संपूर्ण वातावरण सुहावना व आनन्दायक लगता था। लेकिन बदलते दौर में गोरैया हमसे दूर होती गई और आज गोरैया बहुत कम देखने को मिलती है। वर्तमान में गोरैया संरक्षण के लिए हम सबको युवा पीढ़ी को जागरूक करना ही होगा।

संभागीय आयुक्त भट्ट विश्व गौरेया दिवस के अवसर पर सोमवार को ग्रीन पीपल सोसायटी की ओर से उदयपुर के सूचना केन्द्र में आयोजित विविध कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में मौजूद विद्यार्थियों, पर्यावरणविदों, पक्षी विशेषज्ञों एवं अन्य प्रबुद्ध जनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गोरैया हमारे घर आंगन का साथी है और इसके संरक्षण के लिए व्यापक जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्होंने इसके लिए आगामी वर्ष से समस्त विद्यालयों में गोरैया दिवस पर विविध कार्यक्रमों की एक विशेष श्रृंखला आयोजित करने की बात कही और समस्त युवाओं व पर्यावरण प्रेमियों को इसके लिए संकल्पबद्ध होने का आ ान किया। आयुक्त भट्ट ने इस प्रकार के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रीन पीपल सोसायटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और आगे से ऐसे आयोजनों को विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों में भी आयोजित करने व सबको सक्रिय भागीदारी निभाने का आ ान किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर ने पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए समन्वित प्रयास करने की बात कही। उन्होंने पर्यावरण संतुलन के लिए टाईगर जैसे बड़े पशु के साथ-साथ गोरैया जैसी छोटी चिड़िया की उपयोगिता एवं उनके संरक्षण पर जोर दिया।

कार्यक्रम संयोजक एवं ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. राहुल भटनागर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीपल सोसायटी के कार्यकलापों के बारे में अवगत कराया।

कार्यक्रम में ग्रीन पीपल सोसायटी के विशेषज्ञ शरद श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे घर आंगन में फुदकने वाली नन्हीं चिरैया के संरक्षण के लिए वैश्विक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कार्यक्रम में आए विभिन्न स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपनी वार्ता प्रस्तुत करते हुए पक्षी विशेषज्ञ डॉ. कमलेश शर्मा, उत्कर्ष प्रजापति व डॉ. राम मेघवाल ने विश्व गोरैया दिवस मनाने की आवश्यकता, प्रासंगिकता, मानव व गोरैया अंतर्संबंध और पक्षी संरक्षण विषय पर संभागियों को तथ्यात्मक जानकारी प्रदान दी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी रूचि दिखाई। इस अवसर अर्थ ऑवर 2023 विषयक चित्रकला प्रतियोगिता में महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर की भूमिका झाला प्रथम, अवनि सिंह द्वितीय व यशस्वी परिहार तृतीय स्थान पर रही। वहीं विश्व गौरेया दिवस विषयक आयोजित ऑन स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल की सोनाक्षी सोनी प्रथम, एमडीएस स्कूल की नरल माहेश्वरी द्वितीय एवं विद्याभवन स्कूल की रचना तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के निर्णायक रिटायर्ड आरएएस दिनेश कोठारी, बाबा आर्ट गेलेरी की निदेशक ममता जोशी व सेवानिवृत व्याख्याता नसीम अहमद थे। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों के साथ गौरेया व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान किया। इस मौके पर एनीमल प्रोटेक्शन सोसायटी की डॉ. माला मट्ठा व अर्थ ब्रिगेड फाउंडेशन की अमृता राठौड़ की तरफ से सभी संभागियों को परिंडों व घौंसलों का वितरण किया गया, वहीं विजेताओं व चुनिंदा संभागियों को इकॉन ग्रुप की तरफ से गोरैया के कृत्रिम घोंसले भी वितरित किए गए। इस अवसर पर वन सुरक्षा समिति सुथार मादड़ा के अध्यक्ष भगवान लाल पालीवाल का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी भटनागर ने किया। कार्यक्रम में सोसायटी के वीएस राणा, प्रतापसिंह चुंडावत, सोहेल मजबूर, डॉ.ललित जोशी, प्रदीप सुखवाल, डीएफओ देवेन्द्र तिवारी, रिटायर्ड डीएफओ राजेन्द्र सिंह चौहान डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अरूण सोनी, पक्षी प्रेमी देवेन्द्र श्रीमाली, कनिष्ठ कोठारी सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी मौजूद थे।

जगह खाली करने की धमकी दी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित झुग्गी झोपड़ियों वालों को बाइक सवार बदमाशों ने जगह खाली करने की धमकी दी।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखेर थानाक्षेत्र न्यू आरटीओं रोड़ के समीप स्थित खाली जमीन पर काबिज झुग्गी झोपडियों वालों को बाइक सवार दो बदमाशों ने धमकाया। इस मामले में पीडित देवास लीलाकर झाड़ोल निवासी गणेश पुत्र अमरा कालबेलिया ने पुलिस ाािने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि रविवार को बाइकलेकर आए दो बदमाशों ने तोडफोड की तथा झुग्गी झोपड़िया हटा कर जमीन खाली करने की धमकी दी। एसा नहीं करने पर देखलेने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अवैध अफीम की खेती करने में सहयोग करने वाला गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले में देवगढ थाना क्षेत्र के पुसालो का खेडा में अवैध अफीम की खेती पकडकर पुलिस ने 868 किलो पौधे जब्त कर लिए थे। इसमें संलिप्त बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि खेत मालिक उसके पिता अब भी फरार है। इधर, अवैध अफीम की खेती करने में सहयोग करने वाले मजदूर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि 12 मार्च को मुखबिर की सूचना पर देवगढ थाने के एएसआई प्रतापसिंह ने मय पुलिस जाब्ते के दबिश देकर पुसालो का खेडा में अवैध अफीम की खेती पकडी। इस मामले में मौके से अफीम के 868 पौधे जब्त कर लिए थे और उसके कुछ दिन बाद आरोपी 4० वर्षीय पारस गुर्जर को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसने अवैध अफीम खेती करना कबूल कर लिया। फिर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश हुए। इस पर आरोपी पारस गुर्जर को राजसमंद के जिला कारागृह में भेज दिया। इधर, इस प्रकरण की अग्रिम जांच कर रहे राजनगर थाना प्रभारी डॉ हनवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व पुलिस टीम द्वारा खेती में सहयोग करने वाले पुसालो का खेडा निवासी 60 वर्षीय रामलाल पुत्र हजारीलाल सालवी को गिरफ्तार कर लिया, जो 200 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी पर खेती का कार्य कर रहा था। आरोपी रामलाल सालवी को पता था कि अफीम की अवैध खेती हो रही है, लेकिन अवैध खेती की पुलिस को सूचना नहीं दी और आरोपी पारस गुर्जर के साथ अवैध अफीम की खेती करने में सहयोग किया।

इस पर पुलिस ने अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आरोपी रामलाल सालवी को गिरफ्तार कर लिया। जहां से अवैध अफीम खेती करते पकडा गया, वह खेत मुख्य आरोपी पारस गुर्जर के पिता छीतर गुर्जर के नाम पर दर्ज है, जो अभी फरार है। पुलिस द्वारा छीतर गुर्जर की तलाश की जा रही है, लेकिन फिलहाल उसके बारे में पुलिस को कोई सुराग नहीं लग पाया है। राजनगर थाना प्रभारी हनुवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल किशोरसिंह, कांस्टेबल महेंद्रसिंह व विरेंद्र द्वारा यह कार्रवाई गई और अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

'साइबर सुरक्षा क्यों जरूरी' पर सेमीनार आयोजित

उदयपुर, (कासं)। आज के सूचना एवं तकनीकी युग में साइबर अपराध दिनो-दिन बढ़ते जा रहे है। साइबर संसार में रहकर ही हमे उससे कैसे बचाव करना होगा इसके लिए आज अनुष्का एकेडमी एसोसिएशन द्वारा सेक्टर 3 हिरण मगरी स्थिति परिसर में साइबर सुरक्षा हेतु सेमिनार आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता साइबर एक्सपर्ट मानस त्रिवेदी थे।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता ने कहा कि साइबर अपराध से बचने का एक ही तरीका है - साइबर अपराध के प्रति जागरूकता। आज के समय में साइबर जागरूकता का अभाव प्रत्येक व्यक्ति में हैं जिसके चलते साइबर अपराध करने वाले बेझिझक एवं धड़ल्ले से अपराध करते हैं। इसीलिए इसके प्रति जागरूकता अति आवश्यक हैं। अनुष्का एकेडमी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सुराणा के निर्देशन इस प्रकार के सेमिनार का आयोजन हमेशा किये जाते रहे हैं एवं आज भी इसी कड़ी में इसका आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता मानस त्रिवेदी ने बड़े आसान तरीके से सभी विद्यार्थियों को साइबर बुल्लीइंग, साइबर स्टाकिंग इत्यादि के बारे में समझया हैं एवं सभी को हमेशा सचेत एवं जागरूक रहने के लिए कहा एवं विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया।

इसी विषय मे विद्यार्थी जागृति गर्ग , वंशिता अग्रवाल, राकेश इत्यादि के द्वारा विभिन्न प्रश्न पुछे गए जैसे कि क्या एनिडेस्क एवं टीम व्यूवर जैसे सॉफ्टवेयर सेफ हैं तो इसका जवाब देते हुए कहा कि ये सुरक्षित है लेकिन अधिकांशत: निर्भर इसका प्रयोग करने वाले पर निर्भर करता हैं। अनुष्का एकेडमी एसोसिएशन के संस्थापक डॉ एस एस सुराणा सर द्वारा साइबर अपराध के प्रति जागरूकता अभियान को चलाने के लिए मानस त्रिवेदी के इस कार्य की सराहना की तथा विद्यार्थियों को साइबर अपराध से सजग व सावधान रहने के लिए कहा।

इस अवसर पर संस्थान के समस्त स्टॉफ जितेंद्र मेनारिया, ज्योति जैन,हर्षिल जैन,राहुल सुराणा, रेखा मीणा,मीनल शर्मा, हर्षिता चौहान, निर्मल मेघवाल, धनवंती आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रणय जैन द्वारा किया गया। अंत में भूपेश परमार द्वारा संस्थान की ओर से सभी पधारे हुए अतिथियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया।

शिविर आयोजित

उदयपुर, (कासं)।। नारायण सेवा संस्थान द्वारा बंगलौर में नि:शुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया। जिसमें एक ही दिन में एक ही जगह पर 593 दिव्यांग नारायण लिम्ब पहनकर मुस्कुराते हुए चले। वर्षों पहले किसी दुर्घटना में ये सभी अपने हाथ - पैर गंवाने से चलने -फिरने में असमर्थ हो चुके थे। जिसके चलते इनकी जिंदगी रुक सी गई थी। संस्थान के 8 जनवरी के शिविर में इन सभी दिव्यांगों को आर्टिफिशियल लिम्ब के लिए चयनित किया था। नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर स्थित संस्थान में कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के अंगविहीन बन्धु-बहिनें ईलाज के लिए आते रहते है। तब हमने सोचा कि क्यों न इन सभी दिव्यांग जनों को उनके घरों के पास ही लाभान्वित करें।इसी सोच को साकार करते हुए संस्थान ने बेंगलुरु में कैंप लगाया।

एमबी चिकित्सालय का होगा जीर्णोद्धार

उदयपुर, (कासं)। आरएमआरएस के 5 करोड रुपए बजट से एमबी हॉस्पिटल में विभिन्न काम कराए जाएंगे। इसमें जीर्णोद्धार से लेकर रिपेयरिंग, मेंटिनेंस व साफ.सफाई आदि काम होंगे।

यह जानकारी आरएनटी मेडिकल कॉलेज में सोमवार को सम्पन्न राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने दी।आयुक्त ने कहा कि हॉस्पिटल में वाहन चोरी रोकने के लिए पार्किंग को व्यवस्थित किया जाएगा। बिना पार्किंग पर्ची लिए वाहन खडे करने वाले चालक स्वयं जिम्मेदार होंगे।संभागीय आयुक्त ने चिकित्साधिकारियों को कहा कि वे हॉस्पिटल में पेशेंट और स्टाफ फ्रेंडली माहौल बनाने पर ध्यान दें। साथ ही हॉस्पिटल में टॉयलेट, वार्ड और परिसर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में जो भी नए उपकरणों की जरूरत है उन्हें जल्द से जल्द खरीदा जाए। मरीजों के हित को लेकर हर काम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इस दौरान संभागीय आयुक्त ने कहा कि सारे कार्य गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए। हमारे पास संसाधन और बजट की कोई कमी नहीं है। इसे जॉब नहीं, सेवा कार्य मानकर प्रभावी त्रियान्वयन करें। इस दौरान, कलेक्टर ताराचंद मीणा, आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ विपिन माथुर ने संभागीय आयुक्त को अब तक की प्रगति के बारे में जानकारी दी। बैठक में संयुक्त चिकित्सा निदेशक डॉ जुलफिकार अहमद काजी, एमबी चिकित्सालय अधीक्षक डॉ आर एल सुमन आदि मौजूद थे।

सु.वि.वि. के कंप्यूटर सेंटर में एडवांस सर्टिफिकेशन लैब स्थापित की जाएगी

उदयपुर, 20 मार्च। आईटी दिवस के अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को प्रदेश स्तरीय आर-कैट सेंटर की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में सोमवार को जयपुर में डीपार्टमेंट आफ आईटी और सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मध्य आर-कैट सेंटर की स्थापना को लेकर एमओयू हुआ। इस एमओयू पर सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आईवी त्रिवेदी तथा डीओआईटी के संयुक्त सचिव व आर-कैट के एमडी आशीष गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कंप्यूटर सेंटर के डॉ.अविनाश पंवार उपस्थित थे। बताया गया कि बजट घोषणा के अनुरुप इस सेंटर का जिम्मा प्रदेश में सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दिया गया है। कुलपति प्रो. आईवी त्रिवेदी ने इस अवसर पर सुविवि के कंप्यूटर सेंटर के निदेशक डॉ. अविनाश पंवार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. पंवार के अथक प्रयासों से ही सुविवि को यह सौगात मिल पाई है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी सौगात है एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जो डॉ. पंवार के निर्देशन में ही होगी। सुविवि के कंप्यूटर सेंटर में इस संबंध में एडवांस सर्टिफिकेशन लैब स्थापित की जाएगी। जहां प्रदेश सरकार द्वारा छात्रों और कैरियर पेशेवरों के बीच आईटी कौशल को आत्मसात करने और विकसित किया जाएगा। इस सेंटर के माध्यम से कॅरियर के अवसर पैदा करने और आईटी शिक्षा में एक अभिनव मॉडल स्थापित करने की पहल होगी।

सुविवि के कंप्यूटर सेंटर के डॉ. अविनाश पंवार ने बताया कि इस आर-कैट में प्रदेश स्तरीय आईटी सर्टिफिकेशन लैब स्थापित की जाएगी। जहां विभिन्न कंपनियों की भागीदारी द्वारा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा। विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त उद्योग प्रासंगिक प्रमाणपत्र, शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति, लर्निंग हब एंड स्पोक मॉडल विकसित करने, उद्योग नेतृत्व वाली कार्यशालाएं और वेबिनार आयोजित करने, कॅरियर मार्गदर्शन और परामर्श, व्यक्तित्व विकास मॉड्यूल (मेटा कौशल) के अलावा प्लेसमेंट में सहायता एवं सहयोग आदि प्रमुख कार्य होंगे।

कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि सुखाडिया के कंप्यूटर सेंटर में स्थापित होने वाला यह सेंटर प्रदेश स्तरीय आईटी-लर्निंग हब होगा। यानी, यहां आईटी से संबंधित सर्टिफिकेशन के साथ-साथ कौशल विकास को लेकर सारी प्रक्रियाएं अपनाई जाएगी। प्रो. कुलपति ने कहा कि इस सेंटर से उदयपुर संग में विशेष रूप से आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को खासा ला होगा।

विहिप ने दी आंदोलन की चेतावनी

उदयपुर, (कासं)। देवस्थान विभाग द्वारा मांजी का मंदिर के व्यवसायीकरण का विरोध करते हुए आदोलन की चेतावनी दी। विश्वहिन्दू परिषद के प्रान्तीय मंत्री सुन्दर कटारिया के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष सुखलाल लौहार, जिला मंत्री अशोक, बजरंगदल सयोजक ललित एवं संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने सोमवार को देवस्थान आयुक्त कार्यालय पहुंच कर देवस्थान आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर माजी का मंदिर को व्यावसायिक करण को लेकर विरोध दर्ज करवाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिरों में दर्शन करने आने जाने के लिए किसी को सूचना देने एवं किसी से अनुमति लेने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार की जिम्मेदारी है कि भक्तों पर प्रतिबंध नहीं लगाए तथा मंदिर प्रवेश शुल्क नहीं ले।

दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)।सायरा थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले को गिरफ्तार किया। प्राथी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरी नाबालिग पुत्री को भगा ले गया है। सायरा थानाधिकारी नाथूसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने नाबालिग को दस्तियाब किया।

अभियान के दूसरे दिन 408 बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)।उदयपुर पुलिस की ओर से चलाए गए अभियान के दूसरे दिन सोमवार को जिले के उदयपुर पुलिस द्वारा सोमवार को दूसरे दिन ग्रामीण थाना क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए चार सौ आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर बदमाशों की धरकपड के लिए चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दूसरे दिन सोमवार को जिले के ग्रामीण थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 408 हिस्ट्रीशीटर,हार्डकोर बदमाशों गिरफ्तार किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय के नेतृत्व में 36 ग्रामीण थानों से 260 टीमे बनायी गई। टीमों में 08 वृताधिकारी व ग्रामीण थानो के समस्त थानाधिकारी सहित करीब 800 पुलिस अधिकारी,जवान शामिल थे।

गठित टीमों द्वारा उदयपुर ग्रामीण के सभी थाना क्षेत्रो में हिस्ट्रीशीटर/हार्डकोर बदमाशों के खिलाफ आज धरपकड हेतु कार्यवाही की गई। जिसके तहत टीमों द्वारा 20 मार्च को कुल 408 हिस्ट्रीशीटर/हार्डकोर बदमाश को गिरफ्तार किया गया। भविष्य में भी समय-समय पर बदमाशों के खिलाफ उदयपुर पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

पंचकर्म आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शुरू

उदयपुर, (कासं)। पंचकर्म चिकित्सा पद्धति में बढ़ते रुझान को देखते हुए आरोग्य समिति राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय सिंधी बाजार उदयपुर में 19 वें नि:शुल्क पांच दिवसीय पंचकर्म चिकित्सा शिविर का शुभारंभ सोमवार को हुआ।

इस अवसर पर आयुर्वेद विभाग उदयपुर संभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ प्रद्युम्न राजौरा ने शिविर का अवलोकन किया एवं की गई व्यवस्थाओ को सराहा। इस अवसर पर आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ. बद्रीनारायण मीणा व सहायक निदेशक डॉ. सत्येन्द्र सिंह भदोरिया भी साथ थे। प्रभारी एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ शोभालाल औदीच्य ने बताया कि शिविर में जोड़ो का दर्द, माइग्रेन, साइटिका, अवस्कुलर, नेक्रोसिस, एडी में दर्द, बालों की समस्या का उपचार के लिए 110 रोगियों का रजिस्ट्रेशन किया गया।

आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदसपुर
निविदा सूचना संख्या-2 (2023-24)

वर्ष 2023-24 (1 अप्रेल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक) हेतु विश्वविद्यालय का कलर प्रिन्टिंग कार्य करने के लिए वार्षिक अनुबंध के आधार पर मोहरबंद निविदाएँ निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। प्रिन्टिंग कार्य लगभग रु. 8.00 (अक्षरे आठ लाख) का है।

निविदा प्रपत्र का शुल्क रु. 300/- (डाक द्वारा रु. 350/-) है, प्रपत्र दिनांक 29.03.2023 को दोपहर 12 बजे तक बेचे जायेंगे। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 29.03.2023 को सांय 3.00 बजे खोली जावेंगी।

विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.mpuat.ac.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।

निदेशक (P&M)

प्रारूप-10 (नियम-6(7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद, राजसमन्द

सं.5239 — **लोक सूचना** — दिनांक: 20.3.23

श्री विशाल पहाड़िया पिता श्री महेशचन्द पहाडिया निवासी कलालवाटी राजनगर तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	बागपुरा	810	रकबा 0.1619 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 20.3.23 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त , नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6(7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद, राजसमन्द

सं.5241 — **लोक सूचना** — दिनांक: 20.03.23

श्री अमित सरूपरिया पिता स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली, श्रीमती मधु कावडिया पिता स्व. श्री गोविन्दलाल धर्मपत्नी श्री अनिल काविडया निवासी हाथीनाड़ा, कांकरोली, हाल निवासी हैदराबाद तेलंगाना, श्रीमती मनीषा सिंघवी पिता श्री स्व. श्री गोविन्दलाल पत्नी श्री प्रवीण सिंघवी निवासी हाथीनाडा कांकरोली हाल निवासी सिंगापुर पासपोर्ट सं. के 1676780ए जरिये रजिस्टर्ड सामान्य अधिकार पत्र धारक संख्या 02 व 03 की और से श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली, श्री मनीष सरूपरिया पिता स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली हाल निवासी थाना मुम्बई जरिये रजिस्टर्ड सामान्य अधिकार पत्र धारक श्री अमित सरूपरिया पिता स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली, श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली, श्री सुमित सरूपरिया पिता स्व. श्री गोविन्दलाल सरूपरिया निवासी हाथीनाड़ा कांकरोली हाल निवासी थाना मुम्बई महाराष्ट्र द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैरकृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	कांकरोली	383 384/1	रकबा 0.1942 हैक्टेयर रकबा 0.1214 हैक्टेयर में से 0.0596 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त , नगरपरिषद, राजसमन्द

राजस्थान-सरकार
कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, राजसमन्द
कमरा नं. 303 व 305, कलेक्ट्रेट परिसर राजसमंद दूरभाष 02952 224033 Email: rajsmsa.rajsamand@gmail.com

क्रमांक: अति/जिपस/समसा/राजस/विविध/2022-23/1722 — दिनांक:- 17.3.23

निविदा सूचना

इच्छुक फर्मो/सर्व साधारण से समग्र शिखा के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अन्तर्गत विज्ञान एवं गणित किट राजसमन्द जिले में संचालित 140 उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 126 उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर तक परिवहन किऐ जाने हेतु निम्नानुसार सीलबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, राजसमन्द (कमरा नम्बर 303 कलेक्ट्रेट परिसर) से कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा कर प्राप्त किए जा सकते है। निविदा को sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। ऑनलाईन डॉउनलोड की स्थिति में निविदा शुल्क 200/- रूपये का डीडी/बैंकर्स चैक निविदा के साथ संलग्न करना होगा।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा शुल्क	अमानत राशि	निविदा विक्रय करने की अंतिम तिथि	निविदा जमा करने की तिथि व समय	निविदा खोले जाने की तिथि समय
उच्च प्राथमिक विद्यालय /उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर तक परिवहन का कार्य।	4.29	400/-	8500/-	28.03.2023 12.00 PM	28.03.2023 01.00 PM	28.03.2023 02.00 PM

निविदा संबंधी शर्ते एवं विस्तृत विवरण एवं निविदा प्रपत्र कार्यालय में नकद जमा कराकर एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। ऑनलाईन निविदा डाउनलोड कर प्रस्तुत करने पर निविदा शुल्क व अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक पृथक से अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, राजसमन्द के नाम देय हो, संलग्न करना होगा।

Bid document uploaded on
NIB code-RSE2223A2487
UBN is :- RSE2223SSOB03325

अति. जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा, राजसमन्द

नव घोषित जिलों को लेकर विवाद, कई जगह पर सड़कें जाम

सुजानगढ़ में व्यापारियों ने बाजार बंद किए, जनता ने रास्ते रोके और निजी बसें भी बंद हुई

सुजानगढ़ को जिला बनाने के इस आंदोलन की सबसे खास बात है कि इसमें किसी भी दल का नेता शामिल नहीं है, पूरा आंदोलन जनता का है

सुजानगढ़ के बोबासर पुलिया एनएच 58 मार्ग पर प्रदर्शन के दौरान उपस्थित जनसमूह।

- सुजानगढ़ शहर के लोग समूहों में आंदोलन स्थल पहुंच रहे हैं। इसमें शहर के आम और खास सभी लोग शामिल हैं।
- तीन दिन से जनता ने हाइवे जाम कर रखा है और वहां ट्रकों की लम्बी कतारें लगी हुई हैं। ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि ट्रकों में फल सब्जियां हैं जिनके सड़ने का खतरा है, इससे उन्हें भारी नुकसान हो सकता है।
- सुजानगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा अन्य व्यापारियों ने कहा जब तक सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक बाजार व सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ जिले की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से सबसे व्यस्त रहने वाला अजमेर-किशनगढ़ मेगा हाईवे, एनएच 58 जाम है। जिले की मांग करने वाले आंदोलनकारियों ने टायर जलाकर मुख्यमंत्री गहलोत व विधायक मनोज के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक दर्जन से अधिक मुख्य सडकों पर टायर जलाकर जाम कर दी है।

तीन दिन से जाम होने के कारण सैंकड़ों की तादाद में ट्रक जाम में फंस गये हैं। ट्रक चालक जाम में फंसे होने के कारण परेशान है। ट्रक चालकों का कहना है कि उनके ट्रक में हरी सब्जियां, फल-फ्रूट भरे हुए है जो खराब हो जायेंगे तो उन्हें करोडों रूपये का नुकसान होगा। वहीं दूसरी और सालासर बालाजी के दर्शनों के लिये आ रहे यात्री भी जाम में फंसे हुए है। चंडीगढ़ से बालाजी के दर्शनों के लिये पहुंचे बलविन्दर सिंह ने बताया कि वे कच्चों रास्ते से होकर सालासर तो पहुंच गये। लेकिन यहां से जाने के लिये अब रास्ता नहीं होने के कारण हम लोग बेवजह परेशान हो रहे है। वहीं दूसरी और अब जनहित संघर्ष मोर्चा ने सुजानगढ़ जिले की मांग पूरी नही होनें तक सभी रास्ते अनिश्चितकाल के लिये बंद करने की चेतावनी दी है। आंदोलन कि खास बात है कि इसमें किसी भी दल का नेता प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा है। अब आंदोलन में सुजानगढ़ तहसील का एक -एक व्यक्ति भाग ले रहा है।

जत्थे बनाकर आंदोलन स्थल पहुंच रहे लोग:- सुजानगढ़ शहर से लोग आंदोलन स्थल पर जत्थों के रूप में पहुंच रहे है। नगरपरिषद की नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच ने अपने समर्थकों के साथ डी.जे लेकर बोबासर पुलिया आंदोलन स्थल पहुंची। जहां पर उन्होंने आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार से जिले का हक लेने के लिये लडाई लडने की चेतावनी दी। इसी प्रकार चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मंत्री प्रेमप्रकाश तूनवाल अपने साथ हजारों व्यापारी लेकर छापर तिराहे व बोबासर पुलिया एनएच 58 आंदोलन स्थल पहुंचकर जिले के लिये किये जा रहे आंदोलन का समर्थन दिया।

सुजानगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स सहित व्यापारियों ने कहा है कि जब तक जिले की मांग पूरी नहीं होगी तब तक लॉकडाउन की तर्ज पर सुजानगढ़ के बाजार बंद रखें जायेंगे। वहीं दूसरी और लगातार तीन दिनों से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद होने से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। फल व सब्जी मंडी के भी बंद होने के कारण सब्जी के लिये लोगों को भटकना पड़ा।

आंदोलन स्थल पर उठ रही विधायक के इस्तीफे की मांग:- सोमवार सवेरे सीएमआर में विधायक मनोज मेघवाल ने डेलीगेशन के साथ मुख्यमंत्री की मांग की। जिसमें ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण क्षेत्र की जनता में और आक्रोश बढ गया। शहर के लोगों ने कहा कि विधायक मनोज मेघवाल अपने पद से इस्तीफा देकर सुजानगढ़ की जनता का साथ क्यों नही दे रहे है..? शेर सिंह भाटी, शाहीद खान, पूर्व सभापति बाबूलाल कुलदीप, एडवोकेट बनवारी बिजारणियां, गुरूदेव गोदारा सहित क्षेत्र के अनेकों लोगों ने सम्बोधित करते हुए विधायक से इस्तीफा मांगा।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस्तीफे दिये लेकिन सरकार के खिलाफ नहीं उठाई आवाज:- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जिलों की घोषणाएं की जाने के एक दिन बाद कांग्रेस की सभापति नीलोफर गौरी, उपसभापति अमित मारोठिया व क्षेत्र के अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा तो दे दिया। लेकिन वे जनता के आंदोलन से दूरी बनायें हुये है। बोबासर पुलिया, छापर तिराहे आंदोलन स्थल पर आकर कांग्रेस व सरकार के खिलाफ किसी तरीके का बयान नहीं दिया है। जिस कारण यहां के लोगों ने उनका विरोध जताते हुए कहा कि चुनावी समय में इन नेताओं से बात की जायेगी। वंही भाजपा, आरएलपी इस मुद्दे को जमकर भुना रही है। विधायक व सरकार की नाकामियों को जनता के बीच में रखकर मौजूद भीड़ से तालियां बटोरी जा रही है।

प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में रींगस, खण्डेला को शामिल करने का विरोध

रींगस, (निसं)। प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में रींगस तथा खण्डेला को शामिल करने का विरोध आज तीसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा। तहसील कार्यालय के सामने पिछले तीन दिन से भाजपा का धरना प्रदर्शन जारी है। वहीं सोमवार को अन्य संगठनों ने भी इसका विरोध किया। इसके बाद माकपा ने अपने कार्यालय से रैली निकाल कर तहसील कार्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर रींगस तथा खण्डेला को प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में शामिल करने का विरोध जताया।

दोनों पार्टियों के धरने प्रदर्शन से जाम की स्थिति रही। जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय के सामने भाजपा कार्यकर्ता पूर्व चिकित्सा मंत्री बंशीधर खण्डेला के नेतृत्व में अनिश्चितकालितन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को झमाझम बारिश के बीच भी भाजपा कार्यकर्ता जुटे रहे। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार में महोदव सिंह खण्डेला का कद काफी ऊंचा है इसके बावजूद रींगस तथा खण्डेला को प्रस्तावित नीमकाथाना में शामिल किया गया है। जब तक रींगस तथा खण्डेला को सीकर में यथावथ नहीं रखा जाता तब तक इसका विरोध जारी रहेगा।

वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी रहे तथा कांग्रेस कमेठी के सदस्य सुभाष मील भी अपने समर्थकों के साथ धरने पर पहुंचे। तहसील कार्यालय से सटे नगर पालिका के सामने इनका का भी धरना प्रदर्शन हुआ। इसके बाद तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर दस दिन का समय देते हुए कहा कि यदि रींगस व खण्डेला को नीमकाथाना से अलग नहीं किया गया तो महापडाव डाला जायेगा, जिसमें प्रत्येक घर से एक एक सदस्य महापडाव में बैठेंगे। वहीं माकपा कार्यकर्ता भी अपने समर्थकों के साथ रैली के रूप में तहसील में पहुंचे तथा रींगस तथा खण्डेला को सीकर जिले में ही रखने की मांग की।

सांभर को जिला बनाने के लिए जयपुर कूच का आव्हान

सांभरझील, (निसं)। दूदू के स्थान पर सांभर को जिला घोषित किए जाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति के प्रमुख रणनीतिकार कुलदीप व्यास व संयोजक विवेक शर्मा के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के तहत संघर्ष समिति की तरफ से 22 मार्च को जयपुर कूच किए जाने के लिए रणनीति को अंतिम रूप दिया गया।

इसके लिए सोमवार को अनेक ग्राम पंचायतों व घर-घर पीले चावल देकर जयपुर कूच करने के लिए न्यौता दिया गया। ग्राम पंचायतों में गठित टीम के सदस्य कपिल सोनी, हेमंत व्यास, एडवोकेट दिलीप प्रजापत, विजय सोनी, रामकिशोर साहू ने पीले चावल बांटकर लोगों से विनम्र आग्रह किया कि वे 22 मार्च को जयपुर कूच करने के लिए सांभर के पृथ्वीराज सर्किल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। बता दें कि सांभर को जिला बनाने की मांग को लेकर 48 घंटे का बंद का आव्हान मंगलवार को पूर्ण होगा। एसडीएम कोर्ट में आयोजित धरना स्थल पर रात्रि को राजेंद्र आसीवाल एवं उनकी टीम की ओर से मां शाकंभरी के भजनों की प्रस्तुति पेश कर अरदास की गई।

मालपुरा को जिला नहीं बनाने पर 104 गांवों के लोगों ने आंदोलन की चेतावनी दी

मालपुरा, (निसं)। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में 19 नये जिलों की कि गई घोषणा में मालपुरा को जिला नहीं बनाये जाने से भड़की विरोध की चिंगारी अब गांव-ढाणी तक पहुंच गई है।

सोमवार को कल्याण किसान सेवा समिति के बैनर तले उपखण्ड क्षेत्र के 104 गांवों के लोगों ने आदर्श नगर कार्यालय में आमसभा कर रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए कोर्ट परिसर पहुंच मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंप मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग की।

किसान सेवा समिति के प्रदेश पदाधिकारी कैलाश गुर्जर व मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष रामलाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एकत्रित 104 गांवों के महिला-पुरूषों ने दूदू ग्राम पंचायत को जिला बनाये जाने पर कड़ी नाराजगी जताई, साथ ही मालपुरा को दूदू अथवा केकडी में शामिल कर मालपुरा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ कर जनभावनाओं से खिलवाड़ किये जाने को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं कर मालपुरा को ही जिला मुख्यालय बनाने की पुरजोर मांग की। प्रदर्शन व ज्ञापन के दौरान पुरूषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी शामिल होकर मालपुरा को जिला बनाने अथवा दूदू व केकडी में शामिल करने के बजाय टोंक जिले में ही यथावत रखे जाने की मांग की। वहीं दूसरी ओर युवा कांग्रेस नेता गोपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री गहलोत से क्षेत्र की जनभावनाओं से अवगत करवाने के लिए मिलने का समय मांगा है।

- कल्याण किसान सेवा समिति के बैनर तले लोगों ने सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा
- मालपुरा को जिला नहीं बनाये जाने से भड़की विरोध की चिंगारी अब गांव-ढाणी तक पहुंची

क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने किशनगढ़ विधायक सुरेश टांक, विधायक सुरेश रावत, विधायक गंगा देवी, विधायक निर्मल कुमावत, पूर्व संसदीय सचिव कैलाश वर्मा के साथ सीएम हाउस पहुंच मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा। सभी विधायकों ने एक स्वर में नवीन जिलों की घोषणा में जिला बनाने के मापदण्डों की अनदेखी कर दूदू को जिला बनाये जाने पर अपना विरोध दर्ज करवाये जाने व उनके क्षेत्रों को जिला बनाये जाने के लिए अपना पक्ष रखने की जानकारी दी है। मालपुरा को जिला बनाओ कोर कमेठी के बैनर तले महेश सेवा सदन में जनसभा के बाद आज मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

जालोर जिले भर में बेमौसम बरसात से किसान मायूस

जालोर जिलेभर में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को काफी नुकसान

जालोर, (कासं)। जालोर जिलेभर में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। जिससें किसान चिंतित है। जालोर जिले के नारणावास पंचायत क्षेत्र के नारणावास, नया नारणावास व धवला में बीती रात बेमौसम वर्षा ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

- किसानों ने बताया कि इसबगोल व जीरे की फसल में ज्यादा नुकसान हुआ है

सोमवार को किसानों को साथ ले जाकर कृषि विभाग के राजेन्द्र मीणा व अन्य कर्मचारियों ने खेतों में वर्षा से हुई खराब फसलों का सर्वे किया ताकि वास्तविक खराबे का पता लग सके।

किसानों ने बताया कि इसबगोल व जीरे की फसल में ज्यादा नुकसान हुआ है। रविवार को शाम हुई बेमौसम वर्षा से किसानों के खेतों में बोई हुई इसबगोल व देसी जीरे की पक्की फसलों में काफी नुकसान हुआ है। किसानों बताया कि बेमौसम वर्षा होने से फसलों का लागत मूल्य भी मिलना मुश्किल है जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई हैं। मुंह आया निवाला हाथ से निकल गया इससे किसान काफी दु:खी हैं। वर्षा होने से बना बनाया खेल बिगड गया उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है।

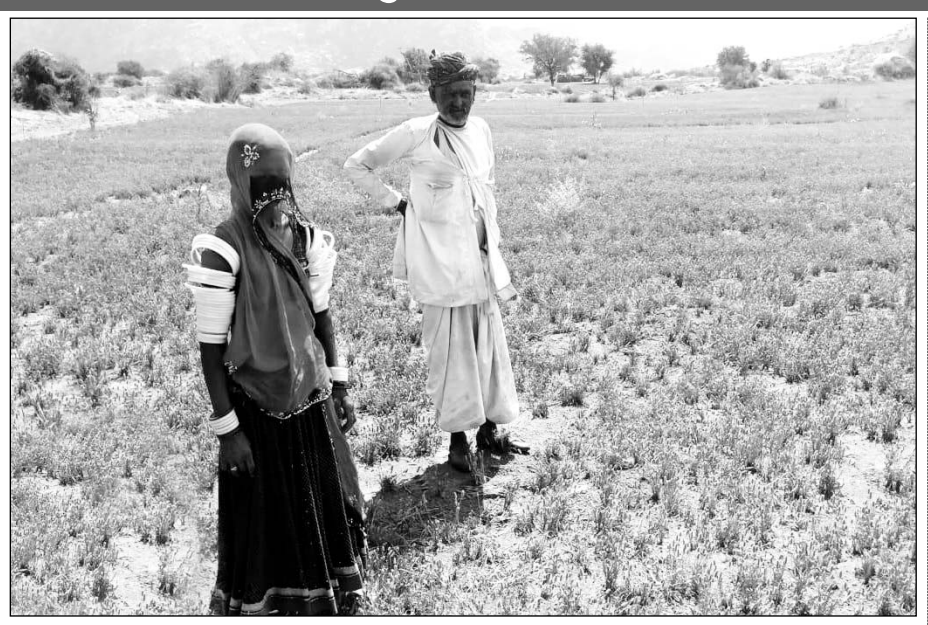

जालोर के निकट नारणावास में बेमौसम बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ।

चूरू में 5.3 एम.एम. बारिश दर्ज

चूरू, (कासं)। चूरू में तेज बारिश ने मौसम की फिजाओं को बदल दिया। आज सुबह साढ़े आठ बजे तक 5.3 एम.एम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को यहां का अधिकतम 25.2 व न्यूनतम 16.4 डिग्री सेल्सियस तापमान व 5.3 एम.एम बारिश रिकॉर्ड की गई। आज यहां पर सुबह पांच बजे बाद अचानक तेज बोछारों के साथ बारिश का दौर शुरु हो गया। जो कि सुबह छह बजे बाद तक चला।

बारिश के बाद अनेक स्थानों पर बारिश का पानी नजर आने लगा। सुबह ग्यारह बजे तक सूर्य देव बादलों की ओट में छिपे रहे। इसके बाद करीब ढ़ाई बजे बाद सूर्य देवता ने पूरी तरह से दर्शन दिये। सुबह के समय लोग गर्म कपड़ों में लिपटे दिखाई दिये। मौसम में आये बदलाव के कारण सुबह के समय पूरे वातावरण में ठंडक घूली रही।

बरसात ने बढ़ाई किसानों की चिन्ता

बीदासर, (निसं)। रविवार की शाम अचानक मौसम ने पलटा खाया तथा आसमान में गहरे बादल छा गये तथा रात्रि में 12 बजे बाद बिजलियाँ गरजने के साथ हल्की बरसात हुई। जिससे मौसम में ठण्डक घुल गई।

सोमवार की सुबह भी हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। हल्की बरसात से लोगो को सर्दी का एहसास होने लगा तथा लोगों को सुबह सुबह गर्म कपड़े पहनने को मजबूर कर दिया। दिनभर आसमान में बादलों की आने जाने का क्रम जारी रहा। दोपहर तीन बजे बाद फिर हल्की बूंदाबांदी हुई। रात्रि में हुई हल्की बरसात से कस्बे के मुख्य मार्गों पर किचड़ ही कीचड़ हो गया। जिससे आमजन को परेशानीया हुई। बारिस ने किसानों के लिए चिन्ता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी पकी हुई फसल और कटी फसल खराब होने लगी है।

करंट की चपेट से दो मादा पैंथर की मौत

मृत पैंथरों का वन विभाग की टीम ने नियमानुसार दाह संस्कार किया।

देवगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र की कुंदवा ग्राम पंचायत के बिलों की मंगरी के पास अपोलो माइंस के समीप से गुजर रही 11 केवी लाइन के तार टूटने पर दो मादा पैंथर चपेट में आ गए जिससे उनकी मौत पर हो गई। वन अधिकारी कमलेश रावत ने बताया कि बीती रात्रि रविवार को तेज हवाओं के साथ देर रात्रि में कुंदवा ग्राम पंचायत के पास 11 केवी लाइन गुजर रही थी जिसके तार टूट जाने से उधर से गुजर रहे दो मादा पैंथर जो की चपेट में आ गए जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। अल सुबह ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा मादा पैंथरों के शव को अपने कब्जे में लेकर नीमझर नर्सरी पर ले गए जहां शवों का पोस्टमार्टम करवाकर नियमानुसार दाह संस्कार किया गया।

बेमौसम की बारिश से गेंहू की फसल खतों में पसरी, भारी नुकसान की आशंका

श्रीमहावीर जी क्षेत्र में ओले गिरने से फसल में नुकसान की आशंका

हिण्डौन सिटी, (कासं)। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गत दिवस देर शाम को एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली और बेमौसम की बारिश से खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल भीगने से किसानों को मायूस कर दिया। कैलादेवी के पदयात्रियों के लिए लगाए चल रहे भण्डार भी प्रभावित हुए। इधर श्रीमहावीर जी क्षेत्र में ओले गिरने से फसल में नुकसान की आशंका है।

उल्लेखनीय है कि दोपहर बाद आसमान बादलों से अट गया। इसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे से हवा के झोकों के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे राह में चल रहे पदयात्रियों में बारिश से बचने के लिए अफरा तफरी सी मच गई। शाम करीब 7 बजे बारिश थमने के बाद विद्युतापूर्ति बहाल की गई। गांव में करीब 20 मिनट तक कई दौर में ओले गिरे। तेज हवा के झोकों के साथ गिरे छोटे बड़े ओले से खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल भीग गई।

ग्रामीण मुकेश मीणा ने बताया कि ओलों से पेड़ों के पत्ते झड़ गए। कटकड़ सहित खेड़ा जमालपुर, सनेट, फैलीपुरा, कांचरौली, टोडुपुरा, रीठोली, गावडा मीणा, भमाडी, वझेडा, फुलवाडा, कुतकपुर, कारवाड़ में शाम को बारिश हुई। गांव शेरपुर हाडोली राराशाहपुर में तेज हवा के साथ भारी बरसात हुई एवं बरसात के साथ-साथ चना के बराबर ओले पड़े। ओलावृष्टि के कारण गेहूं की बाली टूट गई। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। युवा जाट समाज 84 के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम प्रकाश डगुर, रामनिवास डागुर, परशुराम डागुर, मनोज कुमार, सोनू शर्मा, भूरा जाट, सलीम अली, इमरान अली ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि इन गांवों की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा हदया जावे ।

करौली संवाददाता के अनुसार:- क्षेत्र के लोगों ने वे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल को हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता धर्म मीणा के नेतृत्व में रवीन्द्र जेरिया, सूनील माली, पिन्टू मीणा, अखलेश मीणा, लालाराम मीणा सहित कई अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि हाल ही प्रदेश में वे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की रवि की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है चाहे वह गेहूं,चना या सरसों सभी फसलों को भारी नुकसान देखने को मिल रहा है।

मुआवजा दिलाने की मांग:- भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा भरतपुर द्वार भरतपुर जिले में बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि के कारण फसल नष्ट होने पर मुआवजे की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा भरतपुर के जिलाअध्यक्ष मोहन रारह के आव्हान पर जिला महामंत्री घनेश कासौट के नेतृत्व में किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर भरतपुर रतन कुमार को ज्ञापन सौपकर भरतपुर जिले में नष्ट हुई फसल की गिरदावरी करवा कर राज्य सरकार से किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर भाजपा नेता उदय सिंह, किसान मोर्चा के पूर्व कार्यसमिति सदस्य अमर सिंह फौजदार बरताई, जिला मंत्री बालो त्योंगा, भूरा उर्फ भूप सिंह, मण्डल अध्यक्ष मान सिंह दीवन हिसामडा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष गोविन्द सिंह, वीरेन्द्र सिंह, सरपंच तमरेर बच्चू सिंह आदि मौजूद रहे। बेमौसम बारिष व ओलावृश्टि से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए पंचायत समिति सेवर क्षेत्र के गांवों जघीना, बिलौठी, धौरमुई, मोरोली कला, तुहिया, हथैनी, जाटौली रथभान, मडरपुर, पीपला, सुनारी, फुलवाडा, गांवडी, इकरन, उंदरा, बछामदी, चिकसाना, खैमरा, रूंध इकरन आदि ग्राम पंचायतों का दौरा किया गया तथा खराबे की गिरदावरी कराकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए किसानों का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि सतीष सोगरवाल, उपखण्ड अधिकारी देवेन्द्र परमार, विकास अधिकारी डॉ. देवेन्द्र सिंह फौजदार, उपप्रधान ओमप्रकाष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स रेज पॉवर एक्सपर्ट्स प्रा.लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय-चतुर्थ मंजिल, श्री शील मोहर प्लाजा, युद्धिष्ठिर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302001 राजस्थान है। कम्पनी विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत बिजली के संचरण के लिए विद्युत लाइन या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या कार्यो के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से जो सरकार द्वारा स्थापति या अनुरक्षित टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए टेलीग्राफ लाईनों और पदों को रखने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास है या स्थापित करने के लिए या बनाये रखने के लिए और सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और अन्य कार्यो के बाद कमीशनिंग, संचालन, रख-रखाव और अन्य कार्यो के लिए निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए भारत सरकार को सभी शक्तियाँ प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहती है :- (1) 40 मेगावाट के सौर ऊर्जा पार्क को सिंगल सर्किट ओ./एच.ट्रांसमिशन लाईन के साथ 132 केवी पूलिंग स्टेशन के माध्यम से 220 के.वी. जी.एस.एस. गजनेर बीकानेर से जोडा जाएगा। (2) 132 के.वी. सिंगल सर्किल ओ./एच. ट्रांसमिशन लाईन की रूट लम्बाई लगभग 02 किलोमीटर होगी। उपरोक्त बिजली निकासी/कनेक्टिविटी सिस्टम को बिजली अधिनियम, 2023 की धारा 68 (1) के तहत फाईल नम्बर-आर.आर.ई.सी./सोलर-II/रेज एक्सपर्ट्स/डी-राजकाज रेफरेंस नम्बर 3074503 दिनांक 02.02.2023 द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई है। योजना के तहत ट्रांसमिशन लाईने राजस्थान के निम्नालिखित गाँवों, कस्बों और शहरो के बीच से होकर गुजरेगी :-

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील/तालुक	जिला
1	सराह भियानीमानी	कोलायत	बीकानेर

मार्ग संरेखण की प्रति कार्यालय में उपलब्ध है । आम जनता को एतद्द्वारा इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित पारेषण पर प्रेक्षण/ प्रतिवेदन नीचे लिखित प्रतिनिधित्व के कार्यालय में दे अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया सम्पर्क करें ।

नाम श्री दिनेश गुप्ता पद महाप्रबंधक
पता सी- 168 महेश नगर जयपुर, मो. नं. 9314187004

'राइट टू हैल्थ' बिल के विरोध में विधानसभा घेरने निकले निजी चिकित्सकों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई

चिकित्सकों के प्रतिनिधि मंडल ने स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा से स्पष्ट कहा कि यह बिल किसी सूरत में स्वीकार नहीं है

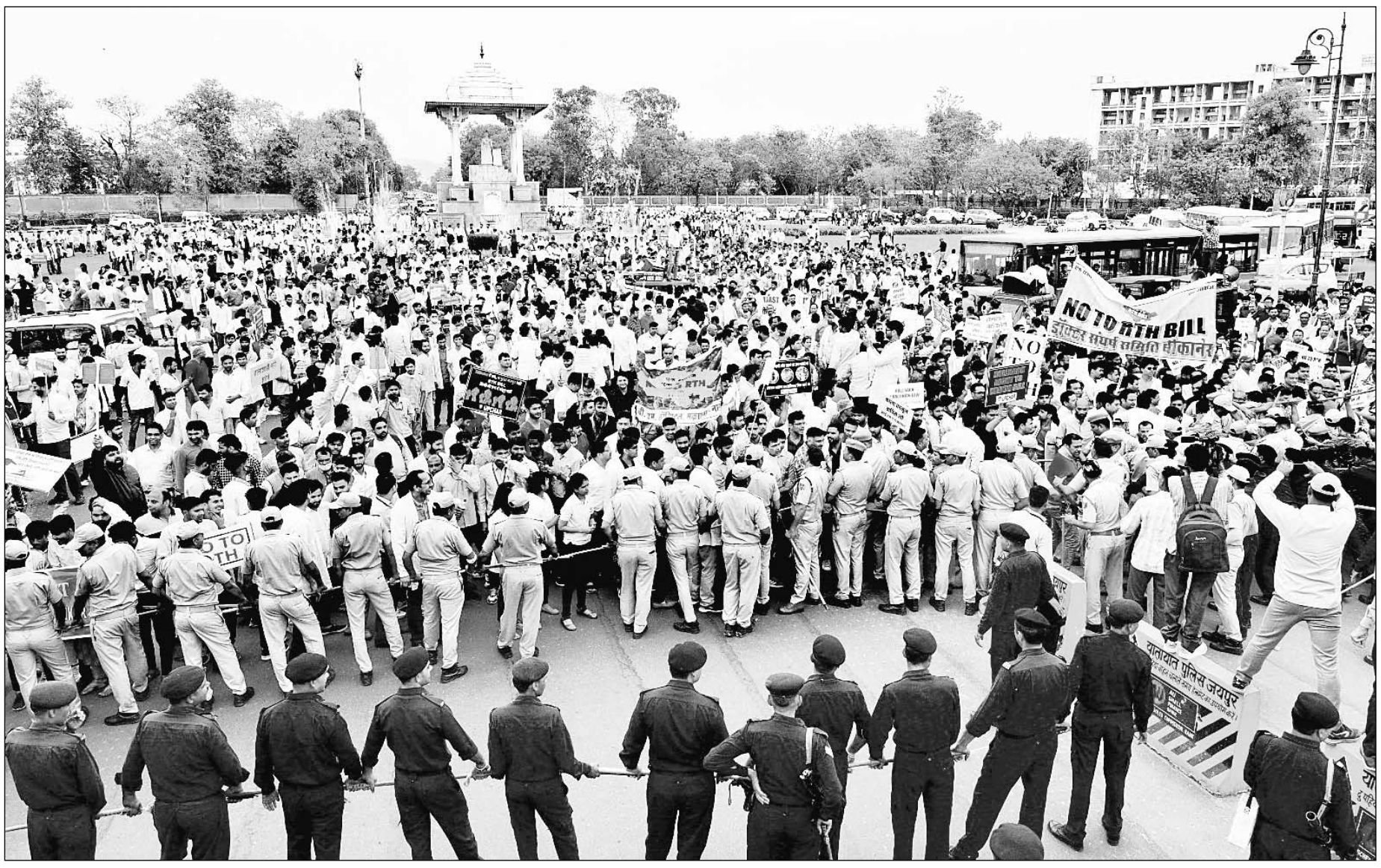

'राइट टू हैल्थ' एक्ट के विरोध में सोमवार को विधानसभा घेराव करने निकले चिकित्सकों को पुलिस ने स्टेच्यू सर्किल पर रोककर जमकर लाठीचार्ज किया।

जयपुर। प्रदेश में राइट टू हैल्थ बिल को लेकर निजी चिकित्सक संगठनों और सरकार के बीच लड़ाई सड़क से सदन तक पहुंच गई है। एक ओर जहां सरकार ने सोमवार को विधान सभा में बिल को चर्चा के लिए पेश किया, वहीं दूसरी ओर इसके विरोध में करीब पांच हजार निजी चिकित्सकों ने जयपुर में विधानसभा कूचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान चिकित्सकों और पुलिस के बीच में झड़प होने से कई डॉक्टर घायल हो गए। उधर डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि इस बिल को किसी सूरत में लागू नहीं होने दिया जाएगा।

जयपुर में जुटे पांच हजार निजी चिकित्सक

प्रदेश के करीब पांच हजार निजी चिकित्सक सोमवार को राइट टू हैल्थ बिल के विरोध में जयपुर में जमा हुए। यहां निजी चिकित्सक और हॉस्पिटल संचालक एसएमएस हॉस्पिटल परिसर में बने जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में पहुंचे। यहां उन्होंने बिल के विरोध में सभा करते हुए अपने तर्क रखे। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे सभी चिकित्सक रैली के रूप में एसएमएस हॉस्पिटल से निकले। जेएलएन मार्ग होते हुए त्रिमूर्ति व नारायण सिंह सर्किल होते हुए सेंट्रल पार्क के सामने से स्टैच्यू सर्किल पहुंचे। इससे पहले अहिंसा सर्किल पर पुलिस ने रैली का नेतृत्व कर रहे इण्डियन मेडीकल एसोसियेशन के मीडिया चेयर मैन डॉ. संजीव गुप्ता और हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया के सचिव डॉ सरबेश शरण जोशी को जीप में बैठाया और दो घंटे तक सांगानेर जगतपूरा घुमाते हुए टोंक रोड पर पुलिया के पास छोड़ दिया।

स्टैच्यू सर्किल के पास पुलिस ने रोका

पुलिस ने सभी को करीब 1 बजे स्टैच्यू सर्किल के पास रोक लिया। इस दौरान आगे बढ़ने की बात को लेकर चिकित्सक और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। डॉक्टर्स ने बेरिकेटिंग को तोडने का प्रयास किया।

- लाठीचार्ज में कई चिकित्सक घायल हुए
- पुलिस कार्रवाई के विरोध में चिकित्सकों ने स्टैच्यू सर्किल पर धरना दिया

सभी चिकित्सक स्टैच्यू सर्किल पर ही धरने पर बैठ गए। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई।

पांच डॉक्टरों के फ्रैक्चर हुआ

चिकित्सकों का आरोप है कि पुलिस ने पुरुष चिकित्सक के साथ ही महिला चिकित्सक से मारपीट की और उनके कपड़े फाड़ दिए। लाठीचार्ज में कई चिकित्सक घायल होकर लहूलुहान हो गए। लाठीचार्ज में डा विजय कपूर, डॉ. राजीव लोचन तांबी, डॉ अर्चना शर्मा और डॉ. संदीप चौधरी के हाथ में फ्रेक्चर हो गया। प्राइवेट हॉस्पिटल और नर्सिंग सोसायटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया कि हम सभी आगे थे। पुलिस वालों ने अचानक खींचकर नीचे गिरा दिया। दो तीन लाठियां मारने के बाद भगदड़ मच गई। हम नीचे गिर गए। प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स ने साफ कर दिया है कि अब वह नहीं उठेंगे। पुलिस से झड़प के बाद डॉक्टरों का विरोध-प्रदर्शन बढ़ गया है। डॉ. विजय कपूर ने कहा कि अब डॉक्टर्स वापस घर नहीं जाएंगे। अब डॉक्टर्स स्टेच्यू सर्किल पर ही सड़क पर रात बिताएंगे और तब तक बैठे रहेंगे, जब तक बिल निरस्त नहीं हो जाता है। रात बिताने के लिए डॉक्टरों ने गद्दे-तकिये भी मंगा लिये।

विभिन्न संगठनों ने की लाठीचार्ज की निंदा

निजी अस्पतालों का कहना है कि राइट टू हेल्थ बिल को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस बिल में कोई संशोधन भी नहीं चाहिए। किसी भी तरीके से यह बिल नहीं चाहिए। इस बात को लेकर पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को विधानसभा भेजा गया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. विजय कपूर, डॉ. राकेश कालरा, डॉ. विजय पाल यादव, डॉ. कमल सैनी, डॉ. सुनील गर्सा शामिल रहें। प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा से बात की। जहां सिर्फ बिल को निरस्त करने के लिए कहा। इसके अलावा कोई बात नहीं की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल वापस आ गया। उन्होंने कहा कि अब सरकार से कोई वार्ता नहीं करेंगे। अब सड़क पर तब तक बैठे रहेंगे। जब तक राइट टू हेल्थ बिल निरस्त नहीं हो जाता है। उधर डॉक्टरों पर हुए लाठीचार्ज की विभिन्न चिकित्सक संगठनों ने निंदा की है। अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ के अध्यक्ष अजय चौधरी ने कहा कि डॉक्टरों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर किया गया लाठीचार्ज निंदनीय कृत्य है। उन्होंने इसके विरोध में कल दो घंटे 9 से 11 बजे तक सरकारी अस्पतालों में पैनडाउन कर कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है। वहीं रेजीडेंट डॉक्टरों ने भी लाठीचार्ज की निंदा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस कमिश्नर ने मौका मुआयना किया

मामले को बढ़ता देख जयपुर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। कमिश्नर ने मौका मुआयना किया। इस दौरान कमिश्नर ने मौके पर पुलिस अधिकारियों से बात की। वहीं स्टेच्यू सर्किल पर पुलिस का भारी जाप्ता तैनात किया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश में राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में 2500 से ज्यादा निजी अस्पताल बंद है। जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। बंद का असर सोमवार को देखने को मिला। निजी अस्पतालों में मरीजों को इलाज नहीं मिलने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा। निजी अस्पताल बिल के विरोध में अनिश्चितकाल के लिए बंद है।

गैंगस्टर रितिक बॉक्सर नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

पांच करोड़ की फिरौती के लिए जयपुर के जी-क्लब पर फायरिंग करवाई थी

गैंगस्टर रितिक बॉक्सर

- रितिक फायरिंग व रंगदारी के एक दर्जन मामलों में वांछित था, पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम घोषित कर रखा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे गैंगस्टर रितिक बॉक्सर को जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है।

उसने 5 करोड़ रुपये की फिरौती के लिए जयपुर के जवाहर सर्किल इलाके में जी-क्लब पर पिछले दिनों फायरिंग करवाई थी।

आरोपी पर फायरिंग और रंगदारी वसूली के 12 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 जयपुर के है, जबकि तीन मामले हनुमानगढ़ और एक मुकदमा बीकानेर में दर्ज है। पुलिस मुख्यालय ने आरोपी रितिक पर 1 लाख रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। गैंगस्टर रितिक बॉक्सर ने जयपुर के व्यापारियों और अन्य लोगों को फोन कॉल करके और वॉइस मैसेज भेज कर अवैध वसूली के लिए धमकी दी थी।

एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश ऋतिक बॉक्सर (22 मालवीय नगर में सेक्टर-12, का रहने वाला हैं।

यह मूलत: हनुमानगढ़ का हैं, जो पिछले चार माह से नेपाल में अलग-अलग ठिकानों पर फरारी काट रहा था। अंतिम समय में यह नेपाल के एक गेस्ट हाउस में फर्जी आईडी से रूका हुआ था। कुछ दिनों से रंगदारी ना मिलने से परेशान बदमाश जयपुर आकर खुद वारदात करवाने की तैयारी में था, लेकिन लगातार पीछा कर रही पुलिस ने नेपाल बॉर्डर की सीमा पार करते ही उसे दबोच लिया।

विश्नोई ने बताया कि वर्ष 2022 में नवंबर-दिसंबर में जयपुर के व्यापारियों को रंगदारी की धमकी के कॉल आए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू की थी। इसी बीच जवाहर सर्किल स्थित जी-क्लब पर फायरिंग की घटना भी हुई थी।

जी क्लब के मालिक अक्षय गुरनानी को 5 करोड रुपए की रंगदारी के लिए धमकी दी गई थी। जिसके बाद फायरिंग की घटना की गई। पुलिस ने मामले में 4 शूटर्स को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस मुख्यालय की ओर से किए गए अनुसंधान में बदमाश रितिक बॉक्सर की भूमिका पाई गई।

पिछले दिनों जयपुर पुलिस गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को गिरफ्तार कर जयपुर लाई थी। यहां 14 दिन की रिमांड अवधि के दौरान पूछताछ में कई जानकारियां सामने आई थी। लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ में आई सूचनाओं के आधार पर प्रदेश में कई जगह पर पुलिस ने रेड भी मारी थी।

हाल ही में बदमाश लॉरेंस से जयपुर में हुई पूछताछ के बाद कमिश्रनेट पुलिस को यह लीड लगी थी कि बदमाश ऋतिक बॉक्सर नेपाल में फरारी काट रहा है। इस इनपुट के आधार पर कमिश्रनेट पुलिस की तीन टीम पिछले 5 दिन से नेपाल बॉर्डर के इलाकों पर डेरा डालकर बैठी थी।

आरोपी जैसे ही नेपाल बॉर्डर से भारत में घुसा तो नेपाल और बिहार बॉर्डर पर स्थित रक्सौल से इसे घेराबंदी कर दबोच लिया। हालांकि इसके पास कोई हथियार पुलिस को नहीं मिला है लेकिन कई महत्वपूर्ण उपकरण मिले हैं, जिनसे पुलिस को गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ने में काफी मदद मिल सकती है।

एडिशनल डीसीपी (वेस्ट) रामसिंह शेखावत ने बताया बदमाश ऋतिक के कब्जे से जयपुर के अन्य व्यापारियों के फोन नंबर की लिस्ट मिली है, जिन्हें यह धमकी देकर फिरौती मांगने वाला था।

पुलिस इस लिस्ट के बारे में इससे पूछताछ कर रही है कि इसके टार्गेट पर ओर कौन कौन था। क्लब पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस 13 आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

अभी इस मामले एक लाख रुपए का इनामी गैंगस्टर रोहित गोदारा फरार चल रहा है, जो विदेश में बैठकर गैंग ऑपरेट कर रहा है।

एडिशनल डीसीपी रामसिंह शेखावत के नेतृत्व में एक एसआईटी बनाई गई। इसमें दो 2 एसीपी चिरंजीलाल मीणा और खलील अहमद के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सहित 18 लोगों की एसआईटी में शामिल किया।

इसमें एसआई राजेश कुमार, एएसआई महेन्द्र कुमार, साइबर सैल के दिनेश शर्मा और रिजर्व पुलिस लाइन के सोहन लाल आदि को शामिल किया गया।

पुलिस का कहना है कि गैंगस्टर रितिक बॉक्सर वर्ष 2019 में केंद्रीय कारागार जयपुर में बंद रहते हुए संपत नेहरा के माध्यम से लॉरेंस विश्नोई से रितिक बॉक्सर का परिचय हुआ था। बाद में गोल्डी बराड़ और अनमोल विश्नोई से जुड़ा।

वॉरियर्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई

मुंबई, 20 मार्च (वार्ता) यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (41 गेंद, 72 रन) और ताहलिया मैकठाा (38 गेंद, 57 रन) के विस्फोटक अद्धर्शतकों की बदौलत विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सोमवार को गुजरात जायंट्स को तीन विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया।

जायंट्स ने 'करो या मरो' मुकाबले में दयालन हेमलता (57) और एशले गार्डनर (60) के अद्धर्शतकों की मदद से 178 रन बनाये। वॉरियर्स ने 179 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में हासिल करके जायंट्स को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

जायंट्स को शुरुआती झटके लगने के बाद हेमलता और गार्डनर ने चौथे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी करके टीम को संकट से निकाला। हेमलता ने 33 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाये, जबकि गार्डनर ने 39 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर जायंट्स को दमदार स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स ने भी तीन विकेट जल्दी गंवा दिये, लेकिन हैरिस-मैकठाा की जोड़ी एक बार फिर टीम को बचाने के लिये आगे आयी और चौथे विकेट के लिये 78 रन जोड़े। वॉरियर्स ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले इन दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये, हालांकि उसे आखिरी ओवर में जीत के लिये सात रन की जरूरत थी। सोफी एकलेस्टन (19 नाबाद) ने पहली चार गेंद पर पांच रन लेने के बाद पांचवीं गेंद पर चौका जड़कर वॉरियर्स को यादगार जीत दिलाई।

वॉरियर्स ने सात मैच में आठ अंक के साथ डब्ल्यूपीएल तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसने प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया है। जायंट्स ने आठ मैच में सिर्फ दो जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जबकि उसकी इस

हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (सात मैच, चार अंक) भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है।

वॉरियर्स ने 179 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एलीसा हीला और किरण नवगिरे का विकेट जल्दी गंवा दिया। हीली (12) ने मोनिका पटेल की गेंद पर हरलीन देओल को कैच पकड़ाया, जबकि नवगिरे को किम गार्थ ने आउट किया। मैकठाा ने क्रीज़ पर आने के बाद कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन पावरप्ले समाप्त होने से पहले देविका वैद्या भी उनका साथ छोड़कर पवेलियन लौट गयीं। वॉरियर्स के तीन विकेट 39 रन पर गिरने के बाद ठोस हैरिस ने मैकठाा का साथ दिया। इस जोड़ी ने एक बार फिर शतकीय साझेदारी करके वॉरियर्स को संकट से निकाला। इस साझेदारी में मैकठाा ने मुख्यत: आक्रामक भूमिका निभाई, लेकिन हैरिस ने 12वें ओवर में दो छक्के और एक चौका जड़कर वॉरियर्स को 100 रन के स्कोर के पार पहुंचाया। मैकठाा ने अगले ओवर में चौका जड़कर अपना अद्धर्शतक पूरा किया। यह साझेदारी वॉरियर्स को जीत की ओर ले जा रही थी लेकिन गार्डनर ने मैकठाा को आउट करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया। इससे पहले की वॉरियर्स इस झटके से संभलती, स्नेह राणा ने दीप्ति शर्मा को पवेलियन लौटा दिया। मैकठाा ने 38 गेंद पर 11 चौकों की मदद से 57 रन बनाये, जबकि दीप्ति मात्र छह रन ही बना सकीं। हैरिस दो लगातार झटके लगने के बावजूद नहीं रुकीं और 17वें ओवर में अपना अद्धर्शतक पूरा करते हुए तनुजा कंवर को दो चौके जड़े। हैरिस की आक्रामकता की मदद से वॉरियर्स 18वें और 19वें ओवर में 23 रन बनाकर लक्ष्य के करीब आ गया। किम गार्थ ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर हैरिस को आउट कर मैच का रोमांच दोबारा बढ़ाया, हालांकि एकलेस्टन ने दबाव में धैर्य का प्रदर्शन करते हुए चौका जड़कर वॉरियर्स को जीत दिलाई।

जायंट्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन आक्रामक शुरुआत के बाद तेजी से तीन विकेट गंवा दिये। सलामी बल्लेबाज लौरा वुलवार्ड और सोफिया डंकली ने पहले विकेट के लिये चार ओवर में 41 रन की साझेदारी की। अंजली सरवानी ने पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वुलवार्ड (13 गेंद, 17 रन) को आउट किया, जबकि छह गेंद बाद डंकली (13 गेंद, 23 रन) राजेश्वरी गायकवाड़ का शिकार बन गयीं। गायकवाड़ ने पावरप्ले समाप्त होने से पहले हरलीन देओल को भी चार रन के स्कोर पर आउट किया।

शुरुआती झटके लगने के बाद हालांकि दयालन हेमलता और एशले गार्डनर ने जायंट्स की पारी को संभाल लिया। गार्डनर को नज़रे जमाने में थोड़ा समय लगा लेकिन हेमलता ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की और 30 गेंद में अपना अद्धर्शतक पूरा कर लिया।

प्रशिक्षण के लिये तुर्की जायेंगे नीरज

नयी दिल्ली, 20 मार्च। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण के लिये मंजूरी दे दी है।

मंत्रालय ने सोमवार को एक विज्ञिप्त जारी कर बताया कि भाला फेंक एथलीट नीरज एक अप्रैल को तुर्की के लिये रवाना होंगे और 61 दिनों के प्रशिक्षण के बाद 31 मई को भारत लौटेंगे। नीरज ने पिछले साल भी ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लिया था।

मंत्रालय टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत नीरज के साथ-साथ उनके कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज़ और उनके फिजियोथेरेपिस्ट की यात्रा का खर्च भी वहन करेगा। इसी बीच, मंत्रालय ने 16 मार्च को हुई बैठक में बधिर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता दीक्षा डागर को गोल्फ सेट खरीदने के लिये वित्तीय सहायता, कोच और फिटनेस ट्रेनर मुहैया करवाने का फैसला लिया है। इसके अलावा मंत्रालय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को स्विस ओपन, स्पेन मास्टर्स और ऑरलियन्स मास्टर्स में भाग लेने के लिये जबकि शंकर मुथुसामी को ओरलेन पोलिश ओपन और स्लोवेनिया योनेक्स ओपन में भाग लेने के लिये वित्तीय सहायता देगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल के लिये कसी कमर

लखनऊ 20 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 31 मार्च से शुरू होने वाले सत्र के लिये लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों ने यहां अपने घरेलू मैदान पर सोमवार से अभ्यास शुरू कर दिया। एलएसजी के 13 खिलाड़ी आज शाम इकाना स्टेडियम पहुंचे और शाम पांच बजे से तीन घंटे तक चलने वाले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। मैदान पर आज पहुंचे खिलाड़ियों में मंयक यादव,मनन वोहरा,कृष्णप्पा गौथम,करन शर्मा,आयुष बडोनी, अमित मिश्रा,यश ठाकुर,स्वनिल सिंह,युद्धवीर सिंह,डेनिल सैम्स,दीपक हुडा और रवि विश्नोई शामिल थे। इकाना के खूबसूरत मैदान पर एलएसजी अपना पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी।

साक्षी, लवलीना क्वार्टरफाइनल में, प्रीति बाहर

नयी दिल्ली, 20 मार्च। एशियाई चैंपियनशिप 2021 की कांस्य पदक विजेता साक्षी चौधरी और टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोर्गोहेन ने महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टरफाइनल में सोमवार को अपने-अपने मुकाबले सर्वसम्मति से जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

साक्षी ने 52 किठाा वर्ग के एकतरफा मुकाबले में कज़ाकस्तान की ज़िज़रा उराकबायेवा पर शुरू से ही दबाव बनाया और 5-0 से जीत दर्ज की। लवलीना ने 75 किठाा वर्ग में मेक्सिको की वनेसा ओर्टिज़ को 5-0 से हराया।

इंदिरा गांधी खेल परिसर पर आयोजित चैंपियनशिप में लवलीना ने अपने मुकाबले की रक्षात्मक शुरुआत की और उन्हें लय हासिल करने में समय लगा। छोटे कद की ओर्टिज़ के विरुद्ध लवलीना को सूझबूझ से डिफेंस करना पड़ा लेकिन जैसे-जैसे बाउट आगे बढ़ता गया, लवलीना अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर हावी हो गयीं।

लवलीना ने जीत के बाद कहा, "विपक्षी मुक्केबाज का कद मुझसे छोटा था। मेरी कोशिश थी कि मैं आगे आकर खेलूं लेकिन छोटे मुक्केबाज के खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं है। मैंने काफी सारी योजनाएं बनायी थीं लेकिन मैं सब पर अमल नहीं कर सकी। मैं बेहतर कर सकती थी। कोशिश होगी कि अगले बाउट में इससे भी बेहतर कर सकूं।"उन्होंने कहा, "मैं पहली बार 75 किठाा भार वर्ग में खेल रही हूं। अन्य मुक्केबाज पहले से ही इस वर्ग में हैं तो यह मेरे लिये मुश्किल होगा लेकिन मैं अपना 100 प्रतिशत प्रयास करूंगी।"

दूसरी ओर, साक्षी ने अपनी पहुंच का शानदार इस्तेमाल किया और दोनों हाथों से लगातार मुक्के बरसाये। वह शुरुआत से ही पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं और पहले राउंड में जीत हासिल की। दो बार की विश्व युवा चैंपियन ने अगले दोनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का मौका नहीं दिया और अपनी गति एवं चतुर आक्रमण रणनीति के साथ सर्वसम्मत निर्णय से आसानी से दर्ज कर ली।

साक्षी ने जीत के बाद कहा, "काजाकिस्तान की मुक्केबाज (उराकबायेवा) मजबूत प्रतिद्वंदी थी इसलिए मैंने सोचा कि लड़ाई का स्कोर ऊपर या नीचे जा सकता है लेकिन कोचों और बीएफआई की रणनीति का पालन करने के बाद मैं अच्छा खेल सकी।"

उन्होंने घरेलू समर्थन के बारे में कहा, "इसके अलावा, जो लोग हमारा समर्थन करने आये उन्होंने मुझे जीतने के लिये प्रेरित किया। मैं पहली बार उसके खिलाफ खेल रही थी इसलिये मैंने और मेरे कोच ने उसके पिछले टूर्नामेंटों के 7-8 वीडियो देखकर और उनका विश्लेषण करके अपनी रणनीति बनाई। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है और मैं स्वर्ण जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं।" इसी बीच, 54 किठाा भार वर्ग की भारतीय मुक्केबाज प्रीति शीर्ष-16 मुकाबले में थाईलैंड की जितपोन्ग जुतामास से हार गयीं। प्रीति ने विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें 3-4 के निर्णय से हार का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि मौजूदा विश्व चैंपियन निखत जरीन (50 किठाा), नीतू घनघास (48 किठाा), मनीषा मौन (57 किठाा), जैसमीन लम्बोरिया (60 किठाा), शशि चोपड़ा (63 किठाा) और मंजू बंबोरिया (66 किठाा) सहित छह भारतीय मुक्केबाज मंगलवार को होने वाले क्वार्टरफाइनल में जगह बना चुके हैं।

सार-समाचार

हमला के मामले में आठ गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने आसेला गांव में एक युवक और उसके दो भाइयों पर जानलेवा हमला करने के मामले में सोमवार को 8 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। रास्ते के विवाद को लेकर आरोपियों ने लाठियों और पत्थरों से तीन भाइयों पर हमला कर घायल कर दिया था। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सदर थानाधिकारी ने बताया कि आसेला रोत फला निवासी लेम्बाराम पुत्र धुला रोत ने 12 मार्च को मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में पीडित लेम्बाराम ने बताया था कि 11 मार्च की शाम को वह अपने घर की ओर जा रहा था। इस दौरान आसेला रोत फला निवासी कन्हैयालाल पुत्र भाणा रोत, दिनेश पुत्र खेमराज, महेश पुत्र भाणा, किशोर पुत्र हुरमा, खेमराज पुत्र लालजी, हुरमा पुत्र लालजी, भाणा पुत्र लालजी और शंकर पुत्र हुरमा रोत ने रास्ते के विवाद को लेकर उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी।पीडित ने गाली गलौज के लिए मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ लट्ठ और पत्थरों से हमला कर दिया। वहीं, बीच.बचाव के लिए आए पीडित लेम्बाराम के भाई गंगाराम और शंकरलाल के साथ भी हमला कर दिया। इससे लेम्बाराम और उसका भाई गंगाराम घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया था। थानाधिकारी मदनलाल ने बताया कि पीडित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वहीं, छानबीन के दौरान पुलिस ने आसेला रोत फला निवासी कन्हैयालाल पुत्र भाणा रोत, दिनेश पुत्र खेमराज, महेश पुत्र भाणा, किशोर पुत्र हुरमा, खेमराज पुत्र लालजी, हुरमा पुत्र लालजी, भाणा पुत्र लालजी व शंकर पुत्र हुरमा रोत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

होली स्नेह मिलन समारोह मनाया

भीम, (निसं)। राजस्थान रावत राजपूत महासभा के तत्वावधान में शाखा सभा बडौदा द्वारा होली स्नेह मिलन समारोहआयोजित हुआ। शाखा सभा अध्यक्ष विजय सिंह भाटी की अध्यक्षता और मुख्य अतिथि महासभा प्रदेशाध्यक्ष नाथू सिंह चौहान एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक हरि सिंह रावत प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह प्रदेश महामंत्री उप प्रधान नारायण सिंह रायपुर प्रधान कमला चौहान, सेंदड़ा सरपंच रतन सिंह भाटी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।शाखा सभा द्वारा महासभा के पदाधिकारियों का साफा माला , ढोल और गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। समारोह में राजस्थानी संस्कृति से सराबोर गैर नृत्य मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। सम्पूर्ण बड़ोदरा शहर रंगोत्सव के रंग में राजस्थानी परम्परागत गैर नृत्य को देखकर खुशी से झूम उठा। राजपूती वेशभूषा से सज्जित महिलाओं की उपस्थिति ने राजस्थान की संस्कृति का परिचय दिया। महासभा प्रदेशाध्यक्ष नाथू सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संवर्धित करने हेतु ऐसे आयोजन करना अतिआवश्यक है जिससे आने वाली पीढ़ियां इन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करके समाज की ऐसी परम्पराओं को जीवित रख सके । साथ ही कहा कि समाज की दिशा और दशा बदलने के लिए समाज के हर स्तर के समाजसेवियों की महती भूमिका आवश्यक है। प्रदेश महामंत्री नारायणसिंह बग्गड ने कहा कि राजस्थान के पारंपरिक गैर नृत्य के शानदार प्रदर्शन के लिए आयोजको की प्रशंसा करने के लिए मेरा शब्द कोष भी कम है । बड़ौदा शाखा सभा वरिष्ठ महामंत्री नटवर सिंह उदावत ने कहा कि समाज सेवा करना मेरा जीवन का उद्देश्य है और समाज के विकास के लिए मैं तन मन और धन से हर समय तैयार हूं । कार्यक्रम में उप महासभा अहमदाबाद , पालनपुर , मुम्बई , गांधीनगर ,सूरत ,दमण ,राजकोट , बैंगलोर , हैदराबाद ,चैन्नई ,गांधीधाम , कुंभलगढ , जामनगर के अध्यक्ष और समाज के वरिष्ठ प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे ।

सांवलिया सेठ का भंडार खोला

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार चतुर्दशी सोमवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर एवं बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति में खोला गया। यह भंडार इस बार 13 दिन में खोला गया क्योंकि परंपरा के अनुसार गत होली पूर्णिमा पर 45 दिन में यह भंडार खोला गया था। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर ने बताया कि भंडार से 03 करोड 09 लाख 26 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि भंडार से 64 ठााम 400 मिलीठााम सोना एवं 1 किलो 990 ठााम चांदी प्राप्त हुई। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर व ऑनलाइन द्वारा एवं मंदिर कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर 50 लाख 57 हजार 158 रुपए एवं 168 ठााम 800 मिलीठााम सोना व 11 किलो 881 ठााम चांदी भेंट जमा करवाई। भंडार गिनती के समय मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल सोनी, अशोक शर्मा, ममतेश शर्मा, संजय कुमार मंडोवरा, भादसोड़ा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, भदेसर तहसीलदार गुणवंत लाल माली, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, संपदा प्रभारी कालू लाल तेली, लेहरी लाल गाडरी, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बीते रात कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक कार से ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि मुखबीर सूचना शहर के तिजवड मोड पर नाकाबंदी के एक दौरान एक सफेद रंग की कार आती हुई दिखी, जिसे रोककर कार चालक सुनिल पिता जयंतिलाल कटारा की पेंट की तलाशी लेने पर 26 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। जिसे एनडीपीसी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर आरोपी मय कार ब्राउन शुगर जब्त कर अग्रिम अनुसंधा जारी हैं पुलिस के अनुसार जब्त की गई ब्राउन शुगर की बाजार किमत दो लाख रूपये आंकी गई।

भण्डार से भेंट राशि निकाली

कपासन, (निसं)। शनि महाराज श्रद्धा पात्रों से 13 लाख 60 हजार 771 रूपये की भेंट राशि निकलीं कपासन। मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शनिधाम श्री शनि महाराज आली के कार्यकरिणी केमटी के सचिव कालू सिंह ने बताया अध्यक्ष छगन लाल गुर्जर उपाध्यक्ष सत्यनारायण लाल जाट नरेंद्र पाल सिंह संरक्षक गोपाल शर्मा मौजूद रहे सोमवार सुबह मुख्य मंदिर नवठाह मंदिर तेल कुण्ड के खोल गए श्रद्धा पात्रों विधि विधान पूजा अर्चना करके खुले गए दानपात्र से 13 लाख 60 हजार 771 रूपये भण्डार से भेंट राशि निकलीं शेष चिल्लर गिनती बाकी है सदस्य मौजूद रहे गोपाल सुथार रतन सुथार भगवान गाडरी भैरू गाडरी देवी सिंह चारण संजय जोशी गोर्धन सिंह कमेटी के सभी कर्मचारी मौजूद रहे है।

द्वितीय जी 20 सतत वित्त कार्य समूह की बैठक आज से

उदयपुर, (कासं)।भारत के जी-20 की अध्यक्षता के तहत द्वितीय जी 20 सतत वित्त कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक 21 से 23 मार्च तक होटल रेडिसन ब्लू मंगलवार से आरंभ होगी। तीन दिवसीय बैठक के दौरान विभिन्न देशों के 90 से अधिक प्रतिनिधि जो जी 20 के सदस्य हैं और साथ ही जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा आमंत्रित किया गया है, वर्ष 2023 के लिए कार्य योजना और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करेंगे।

यह जानकारी सोमवार को यहाँ होटल रैडिसन ब्लू में आयोजित पत्रकारवार्ता में डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक अफेयर्स की सलाहकार गीतू जोशी एवं चांदनी रैना ने दी। उन्होंने बताया कि जी 20 सतत वित्त कार्य समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की प्रथम बैठक 2-3 फरवरी को गुवाहाटी, असम में आयोजित की गई थी, जहां सदस्यों ने वर्ष 2023 में एसएफडब्ल्यूजी कार्य योजना के लिए व्यापक समर्थन और सहयोग.भाव प्रदर्शित किया। जी-20 सतत वित्त कार्य समूह की द्वितीय बैठक में चर्चाओं को आगे बढाने और तीन चिन्हित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के संबंध में पिछली बैठकों की प्रमुख बातों अर्थात् जलवायु वित्त के लिए समय पर और पर्याप्त संसाधन जुटाने के लिए तंत्र, सतत विकास लक्ष्यों के लिए वित्त का प्रभावी प्रबंध करने और सतत विकास की दिशा में वित्तपोषण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता के निर्माण पर फिर से विचार करने की संभावना है।उन्होंने बताया कि बैठक से दौरान दो कार्यशालाओं की योजना बनाई गई है सतत निवेश का समर्थन करने के लिए गैर.मूल्य निर्धारण नीति की उपयोगिता पर जी.20 कार्यशाला और सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रभावी वित्त व्यवस्था पर जी.20 कार्यशाला। इन कार्यशालाओं से प्रासंगिक विषयों पर विस्तृत चर्चा और अंतर्दृष्टि के लिए विशेषज्ञों के विचार अनुभव और तकनीकी जानकारी के आदान.प्रदान की सुविधा मिलने की संभावना है। सतत निवेश का समर्थन करने के लिए गैर-मूल्य निर्धारण नीति की उपयोगिता पर जी 20 कार्यशाला मंगलवार को आयोजित होगी।

यह कार्यशाला राष्ट्रीय परिस्थितियों और राष्ट्रीय स्तर पर परिभाषित विकास प्राथमिकताओं पर उचित विचार के साथ कम कार्बन विकास को सक्षम करने में गैर.मूल्य निर्धारण नीति की उपयोगिता की प्रभावशीलता को बेहतर ढंग से समझने पर ध्यान केंद्रित करेगी। दूसरी ओर सतत विकास लक्ष्यों के लिए वित्त व्यवस्था पर जी 20 कार्यशाला 22 मार्च को आयोजित की जाएगी ताकि जी 20 सदस्यों के बीच बेहतर समझ का निर्माण किया जा सके और सतत विकास लक्ष्यों के लिए अधिकाधिक वित्तपोषण की दिशा में नीति और अन्य सिफारिशों को सुदृढ किया जा सके। यह पहली बार है जब एसएफडब्ल्यूजी जलवायु संबंधी मुद्दों से परे जाकर मुख्य रूप से प्रकृति से संबंधित डेटा और रिपोर्टिंग और सामाजिक प्रभाव निवेश के माध्यम से चुनिंदा सतत विकास लक्ष्यों हेतु अधिकाधिक वित्तपोषण को संभव बनाने के लिए बातचीत कर रहा है। द्वितीय जी 20 सतत वित्त कार्य समूह की प्रस्तावना के रूप में भारत की जी 20 अध्यक्षता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम 18 से 23 मार्च के बीच उदयपुर में आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों में एमएसएमई उद्यमियों के लिए टाउनहॉल बैठक, सतत विकास लक्ष्य वित्तपोषण अंतर को पाटने पर संगोष्ठी, आईआईएम उदयपुर में माइक्रोफाइनेंस की भूमिका, ग्रीन फाइनेंस पर सम्मेलन, डिजिटल बैंकिंग शिक्षा कार्यक्रम, साइबर स्वच्छता और साइबर सुरक्षा पर सत्र, जी 20 वित्तीय साक्षरता वॉकथॉन जागरूकता आदि कार्यक्रम शामिल हैं।

सार-समाचार

कुशलगढ़ को दी सौगात

कुशलगढ़, (निसं)। कुशलगढ आज कुशलगढ कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने कुशलगढ क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घोषणा करके सौगात दी जिस पर कांग्रेस कार्यकर्ता में खुशी की लहर छा गई मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कुशलगढ रेफरल अस्पताल को उप जिला अस्पताल क्रमोन्नत करने और कुशलगढ में रोडवेज डिपो खोलने और छेत्र की छोटी सरवा पंचायत को उप तहसील बनाए जाने और मोकमपुरा कस्बे को रेफरल हॉस्पिटल बनाने की घोषणा पर कांठोस के कार्यकर्ताओं ने कुशलगढ पीपली चौराहे पर आतिशबाजी करते हुए विधायक रमिला खडिया जिंदाबाद अशोक गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाते हुए खुशी मनाते हुए मिठाइयां बांटकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। पिपली चौराहे कुशलगढ पर ब्लॉक कांठोस अध्यक्ष रजनीकांत पीसीसी सदस्य हंसमुख सेट युवा नेता रोहित खरिया विजय खडिया सरपंच संघ के अध्यक्ष कैलाश चंद्र बडवास के सरपंच शंभू लाल कटारा पार्षद पायल पंड्या पार्षद दीपेश पंचाल युवा नेता महेंद्र परमार रमेश तलेसरा मांगू सिंह मॉडल वाकई सरपंच जनप्रतिनिधि और कांठोस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में आतिशबाजी कर अशोक गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाते हुए खुशी जाहिर की।

वंडर जोन कमेटी की बैठक आयोजित

कुशलगढ़, (निसं)। नगर पालिका परिसर में आज नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र हारी की अध्यक्षता में और तहसीलदार वीरेंद्र सिंह राठौड के सानिध्य में वंडर जॉन कमेटी की बैठक आयोजित हुई जिसमें कमेटी द्वारा कुछ दिन पूर्व पुलिस चौकी के समक्ष हुई दुर्घटना को लेकर वंडर जॉन कमेटी निर्णय लेकर नगरपालिका के आसपास लगी ठेला गाडियों को रात्रि में रोडवेज बस स्टैंड पर लगाने का निर्णय लिया गया इसको देखते हुए सब्जी विक्रेताओं को बुलाकर सब्जी विक्रेताओं को बैठक के स्थान को लेकर चयन किया गया वंडर जॉन कमेटी द्वारा सब्जी व्यापारियों को सब्जी मंडी की जगह पर वापस सब्जी मंडी लगाने का आठाह किया है कुशलगढ जुगनू पान भंडार से टिमेडा बस स्टैंड तक लगी ठेला गाडी वालों को फ्रूट विक्रेताओं की गाडियां रोडवेज बस स्टैंड पर लगाने का निर्णय लिया नगर पालिका से चौराहे तक और चौराहे से जलदाय विभाग तक लगी ठेला गाडी वालों को भी हटाने का निर्णय लिया गया वही रात्रि में पुलिस चौकी के पास से पानी पतासा और फास्ट फूड वालों की ठेला गाडियां रात्रि में रोडवेज बस स्टैंड पर लगाई जाएगी जिससे जगह-जगह अतिक्रमण नहीं होगा लोगों के वाहनों को आने जाने में सुविधा उपलब्ध होगी।

बाइक को आग लगाई

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में सांवरिया सर्विस सेंटर बेदला रोड़ पर आए अज्ञात बदमाश ने रविवार को पेट्रोल छिडक बाइक को आग के हवाले कर दिया। पीडित सापेटिया निवासी भरत डांगी पुत्र मांगीलाल ने पुलिस को सूचना दी और प्रकरण दर्ज करवाया। आग से बाइक पूरी तक जलकर खाक हो गई।

अवैध पिस्टल सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान हिस्ट्रीशिटर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से पिस्टल बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा केनिर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सूरजपोल थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड के नेतृत्व में गठित उल ने आसूचना के सहयोग से साहिल पुत्र सुन्दर चौहान निवासी नाडाखाड़ा सूरजपोल को नाडाखाडा क्षैत्र से गिरफ्तार कर इसके कब्जे से देशी पिस्टल बरामद की। पूछताछ पर उक्त देशी पिस्टल व मैगजीन को गौतम उर्फ नन्दू निवासी नाडाखाडा से खरीदना बताया। आरोपी के खिलाफ जिले के अलग अलग थानो पर करीब आधा दर्जन से भी अधिक प्रकरण दर्ज होना पाया गया। मुलजिम को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। वहीं शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने अश्लील वीडियों वायरल करने की धमकी देकर विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 11 मार्च 2023 को विवाहिता ने आमिर के खिलाफ अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने तथा पांच माह से इंस्टाग्राम पर फजी आईडी बना कर अश्लील फोटो वीडियों वायरल कर परेशान करने की रिपोर्ट दी थी।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने पीडिता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पीडिता ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि आरोपी पगारा थाना कल्याणपुर निवासी रोशन पुत्र राजेन्द्र त्रिवेदी आए दिन मेरा पिछा करता है तथा मोबाईल पर फोन कर ब्लेकमेल करने की धमकी देता है।

समीक्षा बैठक आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना की समीक्षा मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेंद्र सिंह राठौड की अध्यक्षता में सोमवार को ईडीपी सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेन्द्र सिंह राठौड ने महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत सभी सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ तकनीकी सहायक को निर्देश देते हुए कहा की कार्यों को समय पर पूर्ण करते हुए जो कार्य पूर्ण हो गए हैं उनकी पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करे। अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहे। बैठक में उन्होंने ग्राम पंचायतवार योजना के विभिन्न बिंदुओ पर समीक्षा करते हुए जियो टैगिंग, पंचशाला अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, तीन दिन पारियोंजना के कार्यों के तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने राजीव गांधी जल संचय के कार्यों के प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए श्रमिक नियोजन बढाने एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में श्रमिको को जिनके 100 दिवस पूर्ण हो गए हैं उनको अतिरिक्त 25 दिवस का रोजगार देने का आव्हान किया

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेन्द्रसिंह राठौड ने सहायक अभियंताओं को निर्देश देते हुए प्रत्येक ब्लॉक से दो-दो अमृत सरोवर की सफलता की कहानी के आईईसी महेश जोशी के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड करवाने के साथ आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गतिविधियों को करवाते हुए फोटो वीडियो अपलोड करने के निर्देश दिये है। उन्होने आधार सिडिंग एवं आधार बेस भुगतान, कार्य स्थल का प्रभावी निरीक्षण करने के आवश्यक निर्देश दिये है। बैठक में अधीक्षण अभियंता गणेशलाल रोत, अधिशासी अभियंता अजय भार्गव, एमआई एस भूपेंद्र चौहान, पर्यवेक्षण प्रवीण सिंह राव, आईईसी महेश जोशी आदि मौजूद रहे।

आमसभा संपन्न

राजसमंद, (निसं)। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति की आम सभा कांकरोली स्थित रावली पाटिया कुमावत समाज भवन में संपन्न हुई। बैठक में पिछले 2 वर्षों में कुमावत युवा शक्ति द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

इसके साथ ही कुमावत युवाशक्ति की वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह भविष्य में समाज के युवाओं के लिए किस प्रकार उपयोगी साबित होगी उसके बारें में विस्तार से बताया गया। बैठक के दौरान प्रदेश के सभी उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम टोंक जिलाध्यक्ष, द्वितीय जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष एवं तृतीय बूँदी जिलाध्यक्ष रहे। बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिसमें राजसमंद के पीपली आचार्य निवासी रतन लाल कुमावत को सर्वसम्मति से प्रदेशाध्यक्ष के पद पर चुना गया एवं युवा शक्ति के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष नवरतन कुमावत नागौर, प्रदेश पर्यवेक्षक टीकम कुमावत, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण कुमावत, नानूराम कुमावत, लादूराम कुमावत, हरीश कुमावत, नरेश कुमावत आदि मौजूद रहे।

बैठक आयोजित, कार्यकारिणी की घोषणा

उदयपुर, (कासं)। अकेडमी ऑफ वेलबिंग सोसायटी की वार्षिक बैठक सुखाड़िया सर्कल स्थित होटल आमंत्रणा में सम्पन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से 2023-25 की कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत-संरक्षक, प्रो. विजयालक्ष्मी चौहान-अध्यक्ष, डॉ. कल्पना जैन-उपाध्यक्ष, डॉ. अल्पना सिंह - सचिव, डॉ. अर्चना गोवलकर-सहसचिव, डॉ. अनिता तलेसरा-कोषाध्यक्ष, डॉ. वीनस व्यास -सांस्कृतिक सचिव, डॉ. डॉली गांधी-मीडिया सचिव, डॉ. पॉल मैथ्यू, डॉ. वर्षा शर्मा - जर्नल सम्पादक, डॉ. शिप्रा लवानिया, डॉ. अजय सिंह चौधरी, डॉ. रेखा पालीवाल, डॉ. हेमा माहेर, डॉ. सपना सेन को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थापक अध्यक्ष प्रो. विजयालक्ष्मी चौहान ने कहा कि यह हर्ष और गर्व का विषय है कि सोसायटी के संरक्षक कर्नल प्रो. सारंगदेवोत को भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा का भी अध्यक्ष चुना गया। यह सारंगदेवोत जी का कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि बीएन संस्थान में उनमें निष्ठा व्यक्त कर दायित्व सौंपा है। बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रो. रेणू राठौड़ का माला, उपरणा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि किसी भी नए दायित्व को निभाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन संस्थान सदस्यों द्वारा जो विश्वास मुझ पर जताया है और जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरी करने में कोई कसर नहीं रखूंगा। सोसायटी द्वारा जो सम्मान दिया है उसके लिए वे कृतज्ञ हैं। इस मौके पर सोसायटी सचिव डॉ.अल्पना सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया एवं नई कार्यकारणी की घोषणा की। बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य व हॉल ही भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा के कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित होने पर नवीन कार्यकारिणी की ओर से राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत का साफा, उपरणा, बुके एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अल्पना सिंह ने किया जबकि आभार प्रो. कल्पना जैन ने व्यक्त किया।

भीनमाल को जिला नहीं बनाने के विरोध में सोमवार को अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक बंद रखा गया। बंद के अलावा स्थानीय लोगों ने कई स्थानों एवं क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर जबरदस्त धरना प्रदर्शन भी किया। बंद का पूरे क्षेत्र में व्यापक असर देखा गया, क्योंकि इस बंद का यहां की जनता एवं कारोबारियों ने स्वेच्छा से सहयोग एवं पूर्ण समर्थन दिया।

भीनमाल में भी जिला बनाओ आंदोलन ने जोर पकड़ा, सोमवार को पूरा शहर बंद रहा

सभी व्यापारियों ने स्वेच्छा से बाजार, प्रतिष्ठान बंद रखे

- **पहली बार भीनमाल में भाजपा व कांग्रेस के लोगों ने एक साथ मिलकर धरना दिया।**
- **पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भीनमाल के लोगों की भावनाओं को सोनिया गांधी तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।**
- **क्षेत्र के वर्तमान कांग्रेस के विधायक पूराराम चौधरी और पूर्व विधायक समरजीत सिंह ने कहा कि, भीनमाल को जिला बनाने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।**

भीनमाल, 20 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा 19 जिलों की घोषणा के दौरान जालोर जिले के भीनमाल को अलग जिला नहीं बनाने पर आक्रोशित भीनमाल की जनता एवं व्यापारियों ने सोमवार को सम्पूर्ण बंद रखा। बन्द को स्थानीय नागरिकों ने अभूतपूर्व समर्थन देकर इसे शानदार सफल बना दिया।

बन्द के दौरान लोगों को चाय, बीडी, नास्ता, सब्जी के साथ कुछ भी नसीब नहीं हुआ। यहां के व्यापारियों ने अपनी स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर कार्यक्रम में भाग लिया। लोगों में चर्चा थी कि, भीनमाल को जिला नहीं बनाने के लिए हमारे जन प्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण हम सब भुगत रहे हैं। धरना स्थल पर लोगों ने भयंकर रूप से रोष प्रकट कर नेताओं को इसके लिए दोषी करार दिया। उनका कहना था कि, अगर समय रहते इस मांग की ओर ध्यान दिया गया होता तो आज यह नौबत नही आती।

धरना स्थल पर मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. समरजीत सिंह ने कहा कि भीनमाल नगरवासियों की भावनाओं को लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट का फोन आया था, उन्होंने भीनमाल क्षेत्र की भावनाओं को सोनिया गांधी तक पहुंचाने का विश्वास दिलाया। उन्होंने उनकी भावनाओं को सीएम अशोक गहलोत तक पहुँचाने की भी बात कही।

पूर्व विधायक ने कहा कि, लगातार हार के बावजूद भीनमाल के हित में राजनीति से ऊपर उठकर संघर्षरत रहने का विश्वास दिलाया।

वर्तमान विधायक पूराराम चौधरी ने कहा कि, जब तक भीनमाल जिला नहीं बनेगा तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। चौधरी ने कहा कि भले उन्हें विधानसभा व राजनीति से इस्तीफा देना पड़े तो भी वे पिछे नहीं हटेंगे। विधायक ने कहा कि भीनमाल के साथ धोखा हुआ है, इसके विरुद्ध संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने धरने को अनवरत जारी रखने का आव्हान किया।

धरना स्थल पर कांग्रेस एवं भाजपा के कई नेताओं ने अपने विचार व्यक्त कर बताया कि, किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं देकर इस मामले को हल्के में ही लिया। लोगों के साथ सभी पार्टियों के नेता भी इस मामले में गुमराह बने रहे। उन्हें आशा थी कि भीनमाल को जरूर जिला घोषित किया जायेगा। भीनमाल जिला बनाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में रानीवाडा, जसवंतपुरा, बागोडा, भीनमाल सहित आस-पास के अनेक क्षेत्र के नागरिक बंधुओं, प्रबुद्धजनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, ट्रस्टों, सामाजिक संगठनों व जन प्रतिनिधियों की ओर से ज्ञापन उपखंड अधिकारी पूनम चौधरी को सौंपा गया।

ज्ञापन देते समय पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. समरजीत सिंह, भाजपा विधायक पूराराम चौधरी, धुखाराम राजपुरोहित, संजीव माथुर, शैतानसिंह भाटी, भरत सिंह भोजाणी, अशोक सिंह ओपावत, सत्यवान सिंह राजपुरोहित, नरिंगाराम चौधरी, माणकमल भंडारी, संदीप देसाई, सांवलाराम देवासी, बाबुलाल चौधरी, शंभुसिंह राठौड़, श्रवण सिंह राव, नवलकिशोर राठी, ओमप्रकाश महेश्वरी, नरेश अग्रवाल इत्यादि मौजूद रहे। कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में लोग जमा होकर अपनी मांग पर आक्रोशित नजर आए।

भीनमाल में यह पहला मौका था जब कांग्रेस और भाजपा के नेता एक साथ धरने पर बैठे थे।

धरने में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. समरजीत सिंह राठौड़ एवं भाजपा के विधायक पूराराम चौधरी सहित भाजपा व कांग्रेस के नेता पहली बार एक साथ एक जाजम पर मिलकर भीनमाल को जिला बनाने के लिए धरना दे रहे थे।

'असली जादूगर तो नीली छतरी वाला है, बाकी सब हाथ की सफाई है'

पायलट ने यह भी कहा कि, राजस्थान में हर 5 साल में सरकार बदलती है, जब हारते हैं तो इतना लंबा हारते हैं कि, वो गैप लंबा होता है

- **नरेन्द्र मोदी को चुनाव में हराने के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो सकता, कौनसा ऐसा नेता है, जिसे चुनाव में पराजित नहीं कर सकते।**

नई दिल्ली, 20 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने नई दिल्ली में एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए कहा है कि 'राजस्थान में अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाना पार्टी का फैसला था और हम सबकी इसमें सहमति थी। वैसे भी हमारे समाज मे उम्र का एक प्रीमियम होता है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान में हर पांच साल मे सरकार बदल जाती है। उस दौरान जब हारते हैं तो इतना लंबा हारते हैं कि वो गैप लंबा हो जाता है। वहीं उन्होंने कहा कि उनको हार का डर नहीं लग रहा है, लेकिन इतिहास से सीखना तो पड़ेगा। मैंने अपनी पार्टी में कुछ सुझाव दिए थे, ताकि ये पुनरावृति नहीं हो। बाकी स्टेट में कांग्रेस सरकार रिपीट हुई हैं,इसलिए राजस्थान में सबको मिलकर काम करना होगा, अभी बहुत काम करने की जरूरत है।

सचिन पायलट ने कहा कि 'पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में हर स्टेट में अलग रणनीति होती है। हमने पांच साल मेहनत करके राजस्थान में चुनाव लड़ा, अंत में पार्टी ने जो निर्णय लिया, उसे सभी ने स्वीकार किया। पायलट ने कहा कि 'आप मुझ पर ये आरोप नहीं लगा सकते कि मैंने ऐसे शब्दों का उपयोग किया। इसलिए शब्दों का चयन महत्वपूर्ण होता है। बिना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए उन्होंने कहा कि जिसने इस तरह की बात की बोली, ये उससे पूछना चाहिए। हमारी संस्कृति है कि जो बड़े लोग हैं, चाहे किसी दल के हो, हमने मान-सम्मान दिया। पायलट ने कहा कि वो चाहते थे कि किसी इंसान को बुरा नहीं लगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के लिए नाकारा- निकम्मा जैसे शब्दों का प्रयोग किया था।

पायलट ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि असली जादूगर तो नीली छतरी वाला है, बाकी सब हाथ की सफाई है। पायलट ने कहा कि जनभावना का एक ही टैस्ट है और वो है बैलेट बॉक्स। मैं चाहता हूं कि मध्य प्रदेश, राजस्थान में हम लोग बेहतर प्रदर्शन करें। कौन कब किस पद पर बैठेगा, ये पार्टी का निर्णय होता है। सोनिया गांधी ने पिछले साल पर्यवेक्षक भेजे थे, मगर विधायको की बैठक नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि मैं पद की राजनीति नहीं करता। पार्टी ने बहुत सारे पद दिए, पार्टी का शुक्रगुजार रहता हूं, पद की कोई कमी नहीं रही।

इसी के साथ देश में लोकतंत्र पर खतरा होने के राहुल गांधी के बयान पर उठ रहे विवाद पर कांग्रेस के नेता सचिन पायलट ने कहा कि 'पिछले 7-8 सालों में ऐसे हालात बन रहे हैं, जिससे ये बात उठ रही है। अगर लोगों को अपनी बात रखने से भय पैदा होता है, गैर-जरूरी दवाब पैदा होता है, तो जाहिर है कि लोकतंत्र पर खतरे की बात होगी।

पायलट ने कहा कि अगर कोई सरकार के खिलाफ बोलता है, तो वो देश के खिलाफ नही बोल रहे हैं। देश में लोकतंत्र स्वस्थ रहे, इसके लिए लोगों को खुलकर बोलना जरूरी है। पायलट ने कहा कि अगर लोकतंत्र स्वस्थ नहीं रहेगा, तो पिछले कुछ समय में देश की सस्थाएं कमजोर पड़ जाएंगी। पायलट ने कहा कि 'कांग्रेस खतरे में है या नहीं, ये अलग बात है, मगर लोगों का विश्वास प्रजातंत्र में हमेशा कायम रहना चाहिए। इसके लिए लगातार सावधान और सचेत रहना है। वैसे भी कई इंडेक्स मे भारत की रैंक गिरती जा रही है, फ्रीडम मे कमी आई है। इसके लिए आत्मचिंतन करना चाहिए,क्योंकि देश में कई सरकारें आईं हैं और आगे भी आती रहेंगी।

पीएम नरेंद्र मोदी को चुनाव में हराने के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि ऐसा क्यों नहीं हो सकता है। कौन सा ऐसा नेता है, जिसे चुनाव मे पराजित नहीं कर सकते हैं। हिमाचल मे चुनाव था, सब बड़े नेता गए, मगर वहां सरकार कांग्रेस की बनी। पायलट ने कहा कि देश का मतदाता ये नहीं चाहता कि नेता ये सोचे कि वोट उसकी जेब में है। मुद्दों पर राजनीति होनी चाहिए, मुद्दे धार्मिक व जज्बाती नहीं होने चाहिए।

पायलट ने कहा कि आज मंत्री खड़े होकर संसद को चलने नहीं दे रहे हैं। मंत्री खुद बाधा डाल रहे हैं। ये सब लोग देख रहे हैं, सही समय पर लोग जवाब देंगे।

सत्तारूढ़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तरफ से हो रहा था लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदन को काम करने के वास्ते बातचीत करने के लिये केवल विपक्षी नेताओं को ही बुलाने का निर्णय लिया।

राहुल गांधी सोमवार को चुनाव प्रचार के सिलसिले में दिल्ली से बाहर, कर्नाटक में थे, उनकी पार्टी के सांसदों ने जोर देते हुये कहा कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है जिसके लिये माफी माँगी जाये।

शनिवार को, विदेशी मामलों से संबंधित संसदीय समिति की मीटिंग में राहुल गांधी को अवसर मिल गया था जिसका उपयोग करते हुये, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिये कहीं भी विदेशी मदद नहीं माँगी।

उन्होंने समिति में मौजूद दो भाजपा सांसदों से कहा था कि वे उनके खिलाफ फैलाई जा रही इस झूठी अफवाह को रोकें।

विंड मिल से टकरा कर कई दुर्लभ पक्षियों की मौत

- **पर्यावरण विशेषज्ञों ने इनकी पहचान स्टैपी ईगल, हिमालयन वल्चर के रूप में की है।**
- **स्थानीय लोगों ने बताया कि, गांवों में जो तालाब है वहां पानी पीने के लिए पक्षी आते हैं और आस-पास लगी विंड मिल्स के पंखों से टकराकर मर जाते हैं।**

जैसलमेर, 20 मार्च (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के छोड़िया व लखमणा गांवों के पास मौजूद पवन चक्कियों (विंड मिल्स) के पंखों से टकराकर कई प्रजातियों के गिद्धों व बाजों मौत हो गई। सोमवार को स्थानीय चरवाहों की सूचना पर पर्यावरण विशेषज्ञों ने इन शवों को देखा।

पर्यावरण विशेषज्ञ राधेश्याम पेमानी विश्नोई और पार्थ जगाणी पक्षियों की पहचान स्टेपी ईगल, हिमालयन गिद्ध और सिनेरियस गिद्ध के रूप में की। सुमेर सिंह भाटी सांवता ने बताया की श्री देगराय मन्दिर ओरण के पीछे जो गांव है वहां कुछ पुराने तालाब हैं, जिनमें पानी पीने के लिये पक्षी आते हैं और आसपास मौजूद पवन चक्कियों के पंखों से टकराकर मारे जाते हैं।

'लिव इन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने जानना चाहा कि क्या याचिकाकर्ता उन्हें संरक्षण देने के बहाने, लिव-इन- रिलेशनशिप को रोकना चाहते हैं। इस बात पर खिन्नता व्यक्त करते हुये कि "लोग कुछ भी लेकर" सर्वोच्च न्यायालय चले आते हैं, सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ ने पूछा, "रजिस्ट्रेशन किसके साथ? केन्द्र सरकार के साथ? केन्द्र सरकार को लिव-इन-रिलेशनशिप्स में रह रहे लोगों से क्या लेना-देना?" उन्होंने इस याचिका को खारिज करने से पहले कहा, "हम इस प्रकार के केसों पर जुर्माना करना शुरु कर देंगे। उन्होंने इसे, "मात्र एक अविवेकपूर्ण याचिका" कहते हुये, खारिज कर दिया। एडवोकेट ममता रानी ने मांग की कि केन्द्र को निर्देश दिये जायें कि वह लिव-इन- रिलेशनशिप के लिये नियम बनाये। उन्होंने दलील दी कि अदालत ने लिव-इन-रिलेशनशिप के सदस्यों को कई बार संरक्षण प्रदान किया है, "चाहे वे महिलाएं हों, पुरुष हों, या इस प्रकार सम्बंध से जन्में बच्चे हों।"

चंबल नदी में डूबे दो बालकों के शव और मिले, मृतकों की संख्या 7 हुई

करौली, 20 मार्च (नि.स.)। मंडरायल के रोधई घाट पर चंबल नदी में 17 पद यात्रियों के डूबने के मामले में लगातार तीसरे दिन लापता की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। शेष दो शव सोमवार को चंबल नदी से तलाशी के दौरान बाहर निकाले गए। सुबह करीब 10 बजे बृजमोहन (17) तथा दोपहर करीब 3 बजे लव कुश (12) का शव चंबल से निकाला। इसके बाद सर्च ऑपरेशन समाप्त हो गया।

घटना में शनिवार को 2 लोगों के शव चम्बल नदी में मिले थे। जबकि 5 लापता हो गए और 10 को सुरक्षित बचा लिया था। रविवार को

- **शनिवार को हुई इस घटना में मध्य प्रदेश के 17 जने कैलादेवी के दर्शन करने आ रहे थे तथा चंबल नदी को पैदल पार करते समय डूब गये थे।**

सर्च ऑपरेशन में मृतका अलोपा बाई, रश्मि और रुकमणी का शव चंबल से निकाला गया। लेकिन बृजमोहन और लव कुश के शव नहीं मिले।

सोमवार सुबह एक बार फिर जगडरपुरा गांव में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस की टीम, स्थानीय लोग और गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जगडरपुरा में चंबल नदी में चल रहे सर्च ऑपरेशन में एसडीएम, तहसीलदार, मंडरायल थाना अधिकारी सहित पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहें। सोमवार को नदी से पदयात्री लवकुश पुत्र थानसिंह एवं बृजमोहन पुत्र पप्पू, का शव निकाला गया। ज्ञात रहे कि, 17 पदयात्रियों का जत्था मध्यप्रदेश से कैलामाता के दर्शन के लिए आ रहा था जो, शनिवार को प्रात चंबल नदी पार करते समय हादसे का शिकार हो गया।

'बंद लिफाफों में इन्फॉर्मेशन देना बंद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया था। सी.जे.आई. ने भारत सरकार के सर्वोच्च वकील से कहा कि वे या तो इसे पढ़े या फिर वापस ले जायें।

न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने कहा, "हम गोपनीय दस्तावेज़ या सीलबंद लिफाफे नहीं लेंगे तथा मैं व्यक्तिगत रूप से इस (व्यवस्था) के खिलाफ हूँ। अदालत में पारदर्शिता होनी चाहिये। यह (लिफाफा) आदेशों को लागू करने के विषय में हैं। इसमें गोपनीयता की क्या बात है?" उन्होंने कहा कि वे "सीलबंद लिफाफा व्यवस्था" को समाप्त करना चाहते हैं।

उन्होंने एटॉर्नी जनरल से कहा, "अगर सर्वोच्च न्यायालय इस (प्रथा) का अनुसरण करेगा, तो उच्च न्यायालय भी इसका अनुसरण करेंगे।"

मुख्य न्यायाधीश ने सीलबंद लिफाफों को एक बार पुनः "निर्धारित न्यायिक सिद्धांतों के पूरी तरह विरूद्ध" बताया।

उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा, "इसका सहारा केवल तभी लिया जा सकता है, जब यह किसी व्यक्ति के जीवन के लिये खतरा बना रहे स्रोत या सूत्र के बारे में हो।"

इस केस (ओ.आर.ओ.पी.) के बारे में उन्होंने कहा कि अदालत पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स के भुगतान से संबंधित सरकार की कठिनाई को समझ रही है लेकिन वह सरकार की कार्य-योजना की जानकारी चाहती है।

इसके बाद एटॉर्नी जनरल ने रिपोर्ट पढ़कर सुना दी।

उन्होंने पढ़कर सुनाया, "बजट इतनी बड़ी राशि एकमुश्त देने की स्थिति में नहीं है। संसाधन सीमित है तथा खर्चों को नियंत्रित करना जरुरी है। वित्त मंत्रालय ने विश्वास में लेने की कोशिश की गई थी किन्तु उसका कहना है कि इतनी बड़ी राशि एकमुश्त देने की स्थिति में नहीं है।"

मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की बैंच इस समय ओ.आर.ओ.पी. की बकाया राशि के भुगतान के लिये इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमैन्ट्स (आई.ई.एस.एम.) की याचिका की सुनवाई कर रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने 13 मार्च को सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुये कहा था कि उसने ओ.आर.ओ.पी. की बकाया राशि को चार किश्तों में अदा करने का "एकपक्षीय" निर्णय कैसे ले लिया।

रक्षा मंत्रालय ने अभी हाल ही में एक हलफनामा तथा एक अनुपालना रिपोर्ट अदालत में पेश की है तथा उसमें पूर्व सैनिकों को 2019 से 2022 तक के एरियर्स के 28,000 करोड़ रू. के भुगतान का सुनिश्चित बताया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स का टुकड़ों में भुगतान करने के लिये 28 फरवरी, 2024 तक का समय दे दिया क्योंकि केन्द्र ने कहा था कि 28,000 करोड़ रू. की राशि का एकमुश्त भुगतान करने से रक्षा-प्रबंधन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

अदालत ने आदेश जारी कर दिये कि 2019 के बाद के एरियर्स, फैमिली पेंशन पाने वालों तथा गैलेन्ट्री पुरस्कार विजेताओं (कुल 6 लाख लोग) को 30 मार्च तक, 70 वर्ष से अधिक आयु के पूर्व सैनिकों (करीब 4 लाख) को 30 जून तक तथा शेष (10-11 लाख) को 31 अगस्त, 30 नवम्बर तथा 28 फरवरी तक दे दिये जायेंगे।

सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि यद्यपि बैंच इस बात से नारज थी कि रक्षा मंत्रालय ने ओ.आर.ओ.पी. ऐरियर्स का भुगतान चार किश्तों में करने का एकपक्षीय निर्णय लेते हुये, सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय की अनदेखी कर दी थी कि भुगतान 15 मार्च तक कर दिया जाये, लेकिन अदालत सरकार की मुश्किलों को देखते हुये, यह महसूस करती है कि राष्ट्रहित की अनदेखी नहीं की जाये।

दिल्ली में किसानों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्ज़-माफी तथा पेंशन शामिल हैं, पूरी नहीं की तो एक और आंदोलन शुरु किया जायेगा।

इस विरोध-प्रदर्शन का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) ने किया था। ज्ञातव्य है कि एस.के.एम. ने ही दिल्ली की सीमाओं पर एक साल तक धरना देकर सरकार को तीन किसान-विरोधी कानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था। दोपहर बाद, एस.के.एम. के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कृषि भवन में कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से भेंट की तथा उन्हें अपना माँग-पत्र (चार्टर ऑफ डिमान्ड) सौंप दिया तथा उन्हें चेतावनी भी दी कि वे किसानों को एक और आंदोलन शुरु करने के लिए बाध्य न करें। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा, "ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका "समाधान नहीं हुआ है" तथा ये मुद्दे एक और "आंदोलन" की माँग कर रहे हैं। हम 30 अप्रैल को दिल्ली में एक और मीटिंग आयोजित करेंगे। मैं सभी किसान यूनियनों से कहना चाहूँगा कि वे इस मीटिंग से पहले अपने-अपने राज्यों में रैलियाँ तथा पंचायतें करें।" उन्होंने कहा, "हम आये दिन आंदोलन करना नहीं चाहते। अगर सरकार हमारी माँगों पर ध्यान नहीं देगी, तो हम एक और आंदोलन करेंगे, जो कृषि कानूनों के विरोध में किये गये आंदोलन से कहीं बड़ा होगा।"

'चीन के "नैटिज़न" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपनाम किया जाना दुर्लभ है। स्पष्ट रूप से उन्होंने चीन की जनता पर अपनी एक छाप छोड़ दी है।"

क्यू के अनुसार दोनों देशों के सीमा विवाद पर चीन के सोशल मीडिया का प्रयोग करने वाले लोगों ने कठोर और आक्रोशित प्रतिक्रियाएं दी हैं। उनकी धारणा यह है कि भारत ने पश्चिमी देशों का समर्थन लेकर और उसी उद्देश्य से "क्वाड" में शामिल होकर चीन की घेराबंदी कर उसे नियंत्रित कर लिया है।

वह दोनों देशों के मीडिया को एक सलाह देना चाहते हैं, वह यह की चीन और भारत के मीडिया को संयम बरतने की जरूरत है और भारत की एक आधुनिक एवं उदार छवि पेश करनी है ताकि चीन के सामान्य नागरिक को भारत की एक बेहतर छवि प्रस्तुत की जा सके।

यह भारत-चीन संबंधों के लिए निश्चित रूप से सार्थक होगा।

लेख में आगे कहा गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध, जिसने अमेरिका और पश्चिमी देशों को रूस के विरूद्ध खड़ा कर दिया है, चीन के अधिकांश लोग ऐसा महसूस करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का भारत विश्व के बड़े देशों के बीच एक संतुलन स्थापित कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ना केवल चीन के इन्टरनैट बल्कि चीन में भी लोकप्रिय हैं। मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट "सायना वेइबो" के अपने अकाउन्ट के माध्यम से चीन के जनता से भी बातचीत की थी।

यह अकाउन्ट उन्होंने वर्ष 2015 में खोला था और उनके 2.44 लाख से अधिक फोलोअर्स थे। हालांकि सीमा पर हुई झड़प के बाद भारत सरकार ने जब चीन के 59 ऐप्स प्रतिबंधित किए, तब उन्होंने जुलाई 2020 में स्वयं को वेइबो से हटा लिया था। ट्विटर के समकक्ष माने जाने वाले चीन के सिना वेबो के वर्तमान में 582 मिलियन से अधिक एक्टिव यूज़र्स हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2014 में केन्द्र में पहली बार सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग की अहमदाबाद में मेजबानी की थी और उनके बाद चीन के पूर्व प्रमुख ली केकियांग की।

द डिप्लोमैट का लेख आगे कहता है कि भारत को लेकर चीन के लोगों के विचार काफी जटिल हैं, लेकिन इसका आधार वर्चस्व और आत्म-विश्वास की भावना है।

लेख यह भी उल्लेख करता है कि चीन के सोशल मीडिया यूज़र्स की राय में पाकिस्तान की अपेक्षा भारत के साथ संबंध अच्छे होने चाहिए क्योंकि उनका मानना है कि अपने सुख-दुःख के साथी पाकिस्तान का इस्तेमाल करने के चीन के प्रयास अवास्तविक हैं क्योंकि दक्षिण एशिया के दोनों पड़ोसी देशों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है।" पाकिस्तान पिछले कुछ समय से राजनीतिक और आर्थिक बदहाली झेल रहा है।

लेख में कहा गया है कि "पिछले नौ वर्षों के तथ्यों से यह साबित हुआ है कि चीन और भारत के बीच सहयोग की बहुत संभावनाएं हैं। उदाहरण के तौर पर भारत के साथ चीन का व्यापार 115 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है, जो पाकिस्तान के साथ उसके व्यापार 30 बिलियन डॉलर से कहीं अधिक है।

लेख में, पश्चिमी देशों के साथ भारत की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चीन की आशंकाओं का भी उल्लेख है, खासतौर पर अमेरिका के साथ और जहां तक यूक्रेन संकट का प्रश्न है, नई दिल्ली और बीजिंग के विचार मिलते-जुलते हैं।

लेख में आगे बताया गया है कि चीन के सोशल मीडिया यूज़र्स में प्रायः एक ही बात को लेकर चर्चा है कि "भारत पश्चिमी देशों का फेवरेट क्यों है", जबकि चीन पश्चिमी जगत का निशाना बन चुका है। भारत ने यह सब कुछ कैसे किया?

इसका उत्तर यह है कि चीन के अधिकांश लोग वर्चस्व और आत्मविश्वास की भावना से ऐसा महसूस करते हैं कि भारत चीन की अपेक्षा इतना विकसित नहीं हुआ है कि वह पश्चिमी देशों के लिए खतरा बन सके।

सिलिकॉन वैली बैंक को डूबने से बचाने के....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रवैया नहीं रखा बल्कि उन्होंने इसे तुरन्त सहायता प्रदान कर लाइफ लाइन दी। बैंक को डूबने से बचाने के लिए यह एक त्वरित कदम था।

उन्होंने ऐसा क्या किया? अमेरिकी सरकार ने यह आश्वस्त करने के लिए हस्तक्षेप किया कि संकटग्रस्त बैंक के सभी जमाकर्ताओं को अगले सोमवार से अपने फण्ड्स पर पूरा एक्सैस मिलेगा। यह फैडरल इश्योरैं कॉरपोरेशन (एफ.डी.आई.सी.) की डिपॉज़िट इंश्योरैंस कवर्स की सीमा से अधिक था। कॉरपोरेशन अब तक 2 लाख 50 हजार डॉलर्स तक के डिपॉज़िट पर इंश्योरैंस कवर दे रहा था।

तुरन्त प्रभाव से जारी किए गए एक कार्यकारी आदेश से यह सीमा बढ़ाई गई और कहा गया कि सारी जमा राशि का पुनर्भगतान होगा। ऐसी स्थिति में जबकि सरकार जमाकर्ताओं के फण्ड्स के लिए आश्वासन दे रही हो, जमाकर्ताओं को अपने फण्ड्स ना निकालने को लेकर डरने की कोई जरूरत नहीं है।

यह पर्याप्त है। अमेरिका के केन्द्रीय बैंक ने इसके बाद एक उपाय की घोषणा की जिसके और व्यापक प्रभाव रहे होंगे।

दूसरा उपाय यह घोषित किया गया कि यू.एस. फैडरल रिज़र्व अंतिम उपाये के रूप में संकट में फंसे बैंक को अमेरिकी बॉण्ड्स के लिए उनकी फेस वैल्यू के आधार पर फण्ड्स उधार देगा। यह बैंकों की नाज़ुक स्थिति और उनके सुनियोजित जोखिम के मूल कारण को हल करना है।

वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद केन्द्रीय बैंकों ने बहुत सस्ती दर पर पैसा उपलब्ध करवाया था लेकिन बैंकों ने यह पैसा अच्छी ब्याज दर पर उधार देने के बजाय सरकारी बॉण्ड खरीद लिए।

जब वित्तीय नीतियां सामान्य होने लगीं ब्याज दर बढ़ने लगी इन बॉण्ड्स का बाज़ार मूल्य घट गया। इसलिए जरूरत पड़ने पर बैंकों को कम दर पर बॉण्ड बेचने पड़े जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। इन हालात में बैंकों की पूँजी घट गई और वित्तीय क्षमता कमजोर हो गई। यह ही स्थिति है जब बैंक फेल हो जाता है

बड़े बैंक के डूबने की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया होती है और इसका प्रभाव अन्य बैंकों व समूचे फाइनैशियल सिस्टम पर पड़ता है। लेकिन तब एस.वी.बी. इतना भी बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं था कि इसे डूबने न दिया जाए! तो फिर इसे क्यों बचाया गया?

यह इसलिए किया गया क्योंकि एस.वी.बी. एक विशिष्ट बैंक है और इसका संबंध अमेरिका की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सैक्टर से है। इसने सिलिकॉन वैली में अमेरिका के टैक्नॉजिकल उद्योग को पाला-पोसा है। आई.टी. सैक्टर की अधिकांश कंपनियों का लेन-देन एस.वी.बी. से ही होता है। एस.वी.बी. के डूबने से इनका पैसा फंस गया है जिससे उनके लिए स्टाफ को वेतन देना भी भारी पड़ सकता है।

सिलिकॉन वैली के इको सिस्टम को बचाने के लिए बैंक को बचाना आवश्यक है जैसा कि लैरी समर्स ने इकोनॉमिस्ट पत्रिका के साथ वार्ता में कहा। दूसरे, जैसा उन्होंने महसूस किया कि यह 21वीं सदी का संक्रमण बन सकता है और इसे रोकना होगा। एक असफलता का असर बहुतों पर पड़ सकता है।

एस.वी.बी. के बाद अमेरिका के एक और बैंक पर ऐसा ही खतरा आया था पर एक अन्य ऑपरेटर ने बैंक को टेक ओवर कर खतरा टाल दिया।

अटलांटिक के पर यूरोपियन बैंकिग का एक प्रतिष्ठित नाम है "क्रेडिट स्वीस"। इसके समक्ष भी डूबने का खतरा उत्पन्न हो गया था पर स्विस सैंट्रल बैंक तुरंत इसके बचाव में आगे आया। बाद में एक अन्य अन्तर्राष्ट्रीय बैंक यू.बी.एस. ने इसका अधिग्रहण कर लिया।

ये सभी घटनाएं भारतीय नीति निर्माताओं व इस क्षेत्र के विचारकों के लिए एक सबक हैं। वित्तीय समझ और संस्थापन की आर्थिक परम्पराओं का अनुसरण करते हुए एक वित्त मंत्री ने फिस्कल प्रूडेस एक्ट के उद्देश्यों को पाने के लिए गंभीर वित्तीय संकुचन की शुरुआत की। वित्तीय अवरोध इतना कठिन था कि अर्थव्यवस्था मानो चीत्कार कर उठी हो।

वित्त मंत्रालय ने निर्धारित किया है कि अगर कोई बैंक बंद होने की स्थिति में हो तो उसमें पैसा जमा करने वालों को बीमा नियमों की सीमा के तहत ही हर्जाना दिया जाएगा, जिससे बैंक में पैसा जमा करने वालों में आशा की लहर दौड़ गई कि अगर बैक डूबे या इसका विलय हो तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ये आम जनता व बचत कर्ताओं के लिए दंडात्मक प्रावधान है। एक बैंक पर भरोसा करने से उनकी जीवन भर की जमा पूँजी छिन सकती है वो भी गलती के बिना।

वित्तीय सैक्टर की विश्वसनीयता एक देश और अर्थव्यवस्था की नींव होती है। एक ऐसे देश जहाँ सोशल सिक्योरिटी नैटवर्क नहीं होता है वहाँ बैंकों में जमा राशि ही जीने का आखिरी सहारा होती है।

इस देश में सरकार को जमाकर्ताओं को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। कम से कम सरकारी बैंको में तो ऐसा किया ही जाना चाहिए। इससे जमाकर्ता का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

'अभी तक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक मुख्य प्रश्न, सचिन पायलट व अजय माकन द्वारा बार-बार पूछा जा रहा है कि, अब तक सी.एल.पी. मीटिंग क्यों नहीं बुलाई गई है, जबकि छः महीने बीत गए हैं।

सचिन पायलट न्यूज़ 18 कॉन्कलेव में आमंत्रित अतिथि थे, जहाँ उनसे राजस्थान तथा राज्य के आगामी चुनावों के बारे में कई प्रश्न पूछे गए।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI NEXA

INTRODUCING NEXA BLACK EDITION.

Drive towards exclusive experiences.

CREATE. INSPIRE.

NEXA 7 INSPIRING FUTURE

SCAN THE QR CODE TO EXPERIENCE THE WORLD OF NEXA.

SCAN THE QR CODE TO BOOK YOUR TEST DRIVE NOW.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695),
NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities.